संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शनिवार
24 जनवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 212
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

पवित्र सरस्वती नदी हरियाणा ही नहीं पूरे भारत वर्ष को बांधती है सांस्कृतिक एकता के पवित्र बंधन में - नायब सिंह सैनी

पेज-8

हिमाचल में खत्म हुआ सूखा; शिमला में सीजन की पहली बर्फबारी, निचले इलाकों में झमाझम बारिश

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश में सूखे का दौर खत्म हो गया है। राज्य में बीती आधी रात से व्यापक वर्षा और बर्फबारी हो रही है जबकि कुछ स्थानों पर आंधी तूफान का भी समाचार है। पर्यटन नगरी व प्रदेश की राजधानी शिमला में आज सुबह से ही ऊंचाई वाले इलाकों में हल्का हिमपात हो रहा है जबकि शहर के निचले इलाकों और आसपास के क्षेत्रों में लगातार वर्षा हो रही है।

मौसम में इस ताजा बदलाव से लोगों को कड़ाके की शीत लहर का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पर्यटक और स्थानीय लोग सुबह-सुबह शहर के जाखू, संजौली, ढली, ढींगू मंदिर, छराबड़ा, कुफरी, मशोबरा, फागू, चायल और नारकंडा में हो रही इस बर्फबारी का आनंद ले रहे हैं। बर्षा, बर्फबारी और तेज हवाओं के कारण शिमला शहर के अधिकांश भागों में आधी रात से बिजली गुल है। ताजा वर्षा और बर्फबारी से किसानों और बागवानों ने राहत की सांस ली है।

राज्य में बीते 3 महीने से अधिक समय से वर्षा न होने से खासकर सेब की बागबानी बुरी तरह से प्रभावित हुई है क्योंकि सेब के पौधों को ठंडक नहीं मिल रही थी और इस बार चिल्लिंग आवर पूरे होना मुश्किल हो गया है।

मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकवादी ढेर, भारी मात्रा में हथियार बरामद

जम्मू- जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने बताया कि बिल्लावार इलाके में एक संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादी को मार गिराया गया।

जम्मू पुलिस प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बिल्लावार में सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के साथ संयुक्त अभियान में जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक पाकिस्तानी जैश आतंकवादी को मार गिराया। अधिकारियों ने मारे गए आतंकवादी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर उस्मान के रूप में की और बताया कि उसके पास से एम4 स्वचालित राइफल सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

केरल निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर, भाजपा नेतृत्व संभालने के लिए तैयार: मोदी

तिरुवनंतपुरम- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि केरल एक निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर खड़ा है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में शासन का एक वैकल्पिक मॉडल पेश करने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री ने केरल के तिरुवनंतपुरम के पुथरीकंडम मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में शासन का एक वैकल्पिक मॉडल पेश करने के लिए तैयार है और जनता का मौजूदा मिजाज स्पष्ट रूप से दशकों की 'विभाजनकारी राजनीति' से आगे बढ़ने की इच्छा को दर्शाता है। श्री मोदी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनावों में भाजपा की हालिया जीत का जिक्र करते हुए इसे ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा कि इसने केरल में पार्टी के विस्तार और विकास की नींव रखी है। उन्होंने कहा, 'जो सालों से नहीं बदला, वह अब बदलेगा।

मुख्यमंत्री सेहत योजना को पूरे पंजाब में भारी समर्थन

कोई आय सीमा नहीं, मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत 65 लाख परिवारों को मिलेगी कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा: अमन अरोड़ा

कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, लाल चंद कटारूचक, लालजीत सिंह भुल्लर और हरदीप सिंह मुंडियां ने पंजीकरण अभियान की अगुवाई की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करते हुए पंजाब सरकार ने 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' की शुरुआत कर दी है। इस पहल के तहत आज कैबिनेट मंत्रियों के नेतृत्व में पूरे पंजाब में लाभार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सुनाम ऊधम सिंह वाला में पंजीकरण अभियान का नेतृत्व करते हुए कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि इस योजना की शुरुआत के साथ पंजाब का प्रत्येक परिवार 10 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज कराने का अधिकार प्राप्त करेगा।

इस योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपये तक की छोटी और बड़ी सभी बीमारियों के लिए सभी दवाइयां और जांचें निःशुल्क उपलब्ध होंगी। अस्पताल में भर्ती होने पर मरीज को केवल अपना स्वास्थ्य कार्ड दिखाना होगा और पूरा इलाज कैशलेस होगा। मंत्री ने कहा कि पंजाब में लगभग 65 लाख परिवार हैं और इन सभी 65 लाख परिवारों (लगभग तीन करोड़ नागरिकों को कवर करते हुए) को स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जाएंगे। यह पहली बार है जब पात्रता के लिए कोई आय सीमा निर्धारित नहीं की गई है, जो देश के लिए एक नई मिसाल है। अब तक 850 सरकारी और निजी अस्पतालों को इस योजना में सूचीबद्ध किया जा चुका है और शीघ्र ही और अस्पताल भी शामिल किए जाएंगे।

इस योजना के तहत 2,356 से अधिक उपचार पैकेज शामिल किए गए हैं (पहले 1,600 से अधिक), जिनमें ऑर्थोपेडिक्स, जनरल मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी सहित कई अन्य विशेषताएं शामिल हैं।

अस्पताल खर्चों के साथ-साथ डायग्नोस्टिक सेवाएं भी इस योजना में शामिल हैं। अब कोई भी नागरिक पंजाब या चंडीगढ़ के किसी भी सरकारी या निजी अस्पताल में निःशुल्क इलाज करवा सकता है। अस्पतालों को इलाज के 15 दिनों के भीतर भुगतान प्राप्त हो जाएगा, क्योंकि राज्य सरकार पहले ही बीमा कंपनी को अग्रिम प्रीमियम का भुगतान कर चुकी है।

खेलो इंडिया योजना के तहत पंचरुखी में बास्केटबॉल कोच के लिए 7 फरवरी तक करें आवेदन

धर्मशाला । खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत जिला कांगड़ा के पंचरुखी स्थित स्मॉल सेंटर ऑफ बास्केटबॉल के लिए एक कोच का चयन किया जाना है। इस संबंध में जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी धर्मशाला द्वारा योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कोच के पद के लिए आयु सीमा 40 वर्ष से कम रखी गई है, हालांकि पात्र मामलों में आयु में छूट दी जा सकती है। चयनित कोच को खेलो इंडिया योजना के तहत 25 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय प्रदान किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र के साथ आवश्यक प्रमाण पत्र संलग्न कर जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी, कांगड़ा (धर्मशाला) के कार्यालय में 07 फरवरी 2026 को सायं 5 बजे तक जमा कर सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवार अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, खेलो इंडिया गेम्स, ऑल इंडिया विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग, कांगड़ा से संपर्क कर सकते हैं।

?हिमाचल पुलिस को 'HIMBUS' कार्ड से मिली छूट

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज यहां कहा कि हिमाचल प्रदेश पुलिस के जवानों के लिए अब HRTC बसों में सफर के लिए 'HIMBUS' कार्ड बनवाना अब अनिवार्य नहीं होगा। इस फैसले का उद्देश्य पुलिसकर्मियों की यात्रा को आसान बनाना और उन पर पड़ने वाले अतिरिक्त आर्थिक बोझ को कम करना है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कॉन्स्टेबल से लेकर इंस्पेक्टर रैंक तक के पुलिसकर्मी पहले से ही अपने वेतन से एक तय राशि ।क्षिष्ट को देते हैं। ऐसे में डिजिटल 'HIMBUS' कार्ड के लिए अलग से पैसे लेना सही नहीं। अब पुलिसकर्मी अपने विभागीय आईडी कार्ड (ID Card) और मैनुअल पास दिखाकर बस में सफर कर सकेंगे। इन्हें ही वैध माना जाएगा। पुलिस को ड्यूटी और जांच के सिलसिले में राज्य में काफी घूमना पड़ता है। डिजिटल वेरिफिकेशन की वजह से उनके काम में देरी न हो, इसलिए यह छूट दी गई है। ?इस फैसले से हिमाचल के हजारों पुलिस जवानों को बड़ी राहत मिलेगी और वह बिना किसी अतिरिक्त खर्चे या कागजी कार्रवाई के अपनी ड्यूटी कर सकेंगे।

आठवी कक्षा तक के सभी निजी विद्यालय 30 अप्रैल से पूर्व भेजें अपने मान्यता आवेदन: उप निदेशक

धर्मशाला । उप निदेशक स्कूल शिक्षा प्रारम्भिक ने जानकारी दी कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 तथा निशुल्क एंव अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम-2011 में निहित प्रावधानों के अनुसार पहली से आठवी कक्षा वाले सभी निजी विद्यालयों को हिमाचल प्रदेश प्रारम्भिक शिक्षा विभाग से मान्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य है। अत: जिला कांगड़ा के कुछ एक निजी प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्रबन्धकों, मुख्याध्यापकों, प्रधानाचार्यो जिन निजी विद्यालयों को उनके आवेदनों में त्रुटियों के कारण जो आवेदन वापिस भेजे गये थे, ऐसे विद्यालयों अपने आवेदनों को ऑनलाईन प्रक्रिया के अर्न्तगत त्रुटियों को दूर करने उपरान्त आवेदन उपरांत 30 अप्रैल 2025 तक भेजना सुनिश्चित करें, ताकि उन्हें सत्र 2025-26 की मान्यता प्रदान की जा सके तथा आगामी सत्र 2026-27 की प्रक्रिया को भी शुरू किया जा सके।

पूर्ण राज्यत्व दिवस की पूर्व संध्या पर जनता के नाम मुख्यमंत्री का संदेश

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पूर्ण राज्यत्व दिवस के शुभ अवसर पर, मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू प्रदेश की जनता के नाम विशेष संदेश देंगे। इस संदेश का प्रसारण 24 जनवरी, 2026 (राज्यत्व दिवस की पूर्व संध्या) को किया जाएगा। दूरदर्शन केंद्र शिमला द्वारा इस संदेश का प्रसारण शाम 7 :30 बजे किया जाएगा। आकाशवाणी शिमला द्वारा रात 8 :00 बजे पूरे राज्य में एक साथ (State Hook-up) इसका प्रसारण किया जाएगा।आकाशवाणी शिमला के इस प्रसारण को FM शिमला, FM धर्मशाला, FM हमीरपुर और प्रदेश के सभी आकाशवाणी केंद्रों से एक साथ सुना जा सकेगा।

ज्वालामुखी मंदिर मार्ग पर ऑटो रिक्शा संचालन को सशर्त अनुमति

धर्मशाला । जिला दंडाधिकारी हेमराज बैरवा ने जानकारी देते हुए बताया कि ज्वालामुखी मंदिर मार्ग पर ऑटो रिक्शा संचालन को लेकर जारी पूर्व अधिसूचना में आंशिक संशोधन किया है और मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 115 के अंतर्गत पीपल वृक्ष से आगे मंदिर क्षेत्र तक ऑटो रिक्शा संचालन को केवल विशेष परिस्थितियों में सशर्त अनुमति प्रदान की गई है। जिला दंडाधिकारी ने कहा कि यह अनुमति केवल गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों की चिकित्सीय आपात स्थिति में, गर्भवती महिलाओं को चिकित्सीय सहायता के लिए एवं स्थानीय वरिष्ठ नागरिकों एवं ऐसे दिव्यांग व्यक्तियों के लिए जो पैदल चलने में असमर्थ हैं के लिए ही प्रदान की गई है। किसी भी प्रकार के व्यावसायिक दुरुपयोग की अनुमति नहीं होगी तथा अन्य सभी वाणिज्यिक वाहनों पर पूर्ववत प्रतिबंध यथावत रहेगा।

शिक्षा मंत्री ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

छात्रों के सर्वांगीण विकास, छात्रावास सुदृढ़ीकरण, भर्ती व शैक्षणिक सुधारों पर दिए निर्देश

सोलन। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने आज यहां शिक्षा विभाग की एक विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष बल देते हुए उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सह-पाठ्य गतिविधियों को समान महत्व दिया जाना चाहिए। शिक्षा मंत्री ने छात्रावासों को प्राथमिकता बताते हुए उनके सुदृढ़ीकरण के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से माजरा स्थित छात्रावास की स्थिति का उल्लेख करते हुए वहां आ रही समस्याओं पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी। उन्होंने आधारभूत ढांचे में सुधार, बेहतर आवास व भोजन व्यवस्था, संतुलित आहार, स्वास्थ्य सुविधाएं और सुचारू परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रशिक्षकों से जुड़े मुद्दों जैसे उपलब्धता, सहयोग प्रणाली, कार्य परिस्थितियां और समय पर तैनाती को शीघ्र सुलझाने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रतिभाशाली युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन

कर राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। विद्यालयों और महाविद्यालयों में छिपी प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें अकादमिक व अन्य आवश्यक सहयोग दिया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई और प्रशिक्षण में से किसी एक को चुनने की मजबूरी न हो। इसके लिए शिक्षण संस्थानों और छात्रावासों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में एसएमसी/कंप्यूटर शिक्षक एलडीआर तथा पीजीटी/डीपीई एलडीआर मामलों की समीक्षा करते हुए शिक्षा मंत्री ने 22 फरवरी को एलडीआर आयोजित करने और सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। सहायक प्राध्यापकों की भर्ती से जुड़े प्रस्तावों की भी समीक्षा की गई और इन्हें शीघ्र हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग को भेजने के निर्देश दिए गए। विद्यालयों और महाविद्यालयों के विलय एवं एकीकरण से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे सभी निर्णय छात्रों के हित में, उनकी पहुंच, सुरक्षा, शैक्षणिक निरंतरता और सीखने के परिणामों को ध्यान में रखकर ही लिए जाएं। विलय या युक्तिकरण से प्रभावित विद्यार्थियों के लिए परिवहन सुविधाएं तेजी से उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

शैक्षणिक सुधारों की समीक्षा करते हुए शिक्षा मंत्री ने आगामी सत्र से विद्यालयों में बागवानी और वानिकी को वैकल्पिक विषय के रूप में शुरू करने की प्रक्रिया तेज करने को कहा। टैबलेट वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए शेष टैबलेट शीघ्र वितरित करने के निर्देश दिए गए, ताकि डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिल सके। चार वर्षीय बी.एड., बी.पी.एड. और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को अधिसूचना के बाद महाविद्यालयों में शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए गए, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र से ये पाठ्यक्रम संचालित हो सकें। एनटीटी शिक्षकों की भर्ती के संबंध में उन्होंने सभी पात्र चयनित अभ्यर्थियों को तुरंत नियुक्ति पत्र जारी करने तथा शेष रिक्त पदों को वैकल्पिक व त्वरित माध्यमों से भरने के निर्देश दिए।

अन्य निर्देशों में महाविद्यालय रैंकिंग के लिए समय-सीमा तय करना, पूर्व घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा, उप निदेशकों की बैठक की तिथि तय करना और विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना शामिल रहा। शिक्षा मंत्री ने आगामी बजट सत्र के लिए विस्तृत प्रस्ताव और सुझाव प्रस्तुत करने को भी कहा, जिसमें छात्रावासों, आधारभूत ढांचे, प्रशिक्षण सहयोग, प्रतिभा विकास कार्यक्रमों, शैक्षणिक सुविधाओं और छात्र कल्याण पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में सचिव शिक्षा राकेश कंवर, परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा राजेश शर्मा, निदेशक उच्च शिक्षा अमरजीत, निदेशक स्कूल शिक्षा आशीष कोहली सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हिमाचल प्रदेश और इनलैंड वाटर वेज डेवेलपमेंट काउंसिल के बीच जल परिवहन को लेकर ऐतिहासिक समझौता

● उपमुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय जलमार्गों में राज्य की प्रमुख भूमिका पर दिया बल ● कोच्चि में आयोजित तीसरी आईडब्ल्यूडी बैठक में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हुए हस्ताक्षर ● हिमाचल और पंजाब को जोड़ने वाले पर्यावरण-अनुकूल रिवर क्रूज और धार्मिक पर्यटन सर्किट पर रहेगा मुख्य फोकस

शिमला। हिमाचल प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने आज केरल के कोच्चि में आयोजित 'अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद' (आईडब्ल्यूडी) की तीसरी बैठक में भाग लिया। इस उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता भारत सरकार के पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने की। भारत के अंतर्देशीय जल परिवहन पर बढ़ते बल के प्रतीक के रूप में, यह बैठक क्रूज पोत 'इंपीरियल क्लासिक' पर आयोजित की गई, जिसमें देश के समुद्री और नदी कनेक्टिविटी के भविष्य पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान, केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास के लिए की जा रही विभिन्न पहलों से परिषद को अवगत करवाया। उन्होंने रिवर क्रूज पर्यटन और धार्मिक पर्यटन सर्किट के विकास पर विशेष बल देते हुए बताया कि रावी नदी (राष्ट्रीय जलमार्ग-84) को रणजीत सागर बांध से गांधियन स्थित चमेरा बांध तक रिवर क्रूज पर्यटन के लिए विकसित किया जा रहा है, जिसकी पहली जेटी (जेटी-1) जनवरी 2026 तक पूरी होने वाली है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सतलुज नदी (राष्ट्रीय जलमार्ग-98) को एक महत्वपूर्ण धार्मिक और पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। यह प्रस्तावित मार्ग हिमाचल प्रदेश के तत्तापानी और नैना देवी मंदिर को पंजाब के आनंदपुर साहिब और कीरतपुर साहिब से जोड़ने के उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है, जिसके लिए व्यवहार्यता अध्ययन (फिजीबिलिटी स्टडी) वर्तमान में प्रगति पर है।

इस अवसर पर, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और हिमाचल प्रदेश सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो राज्य में अंतर्देशीय जलमार्गों के सहयोगात्मक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह समझौता राज्य के जल-आधारित बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए एक औपचारिक रूपरेखा प्रदान करता है।

परिषद को संबोधित करते हुए, मुकेश अग्निहोत्री ने हिमाचल प्रदेश में अंतर्देशीय जलमार्गों के त्वरित विकास की पुरजोर वकालत की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि देश भर में विकसित किए जा रहे अधिकांश जलमार्गों वाली नदियाँ हिमाचल प्रदेश से निकलती हैं, इसलिए राज्य राष्ट्रीय अंतर्देशीय जलमार्ग ढांचे में एक प्रमुख हितधारक है। उन्होंने भारत सरकार से तकनीकी और वित्तीय सहायता बढ़ाने का आग्रह किया, जिसमें विशेष रूप से 'हाइड्रो-इलेक्ट्रिक कैटामारन' जहाजों के प्रावधान की मांग की गई। उन्होंने कहा कि ये जहाज पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ हैं और हिमाचल प्रदेश की पहाड़ी पारिस्थितिकी के लिए पूरी तरह उपयुक्त हैं।

उप-मुख्यमंत्री ने भारत सरकार और आईडब्ल्यूएआई के साथ मिलकर काम करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने रेखांकित किया कि इस साझेदारी का मुख्य लक्ष्य पर्यावरण के अनुकूल जल परिवहन और पर्यटन विकास को बढ़ावा देना है, जिससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र के सतत विकास को गति मिलेगी।

योजना विभाग ने 'नीति से परिणिति' विषय पर कार्यशाला आयोजित की

शिमला। लैंगिक संवेदनशील बजट को बढ़ावा देने के लिए राज्य परिवर्तन प्रकोष्ठ ने योजना विभाग के सहयोग से, जीआईजेड इंडिया और नीति आयोग के साथ मिलकर, शिमला में गुरुवार को 'नीति से परिणिति विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य नोडल अधिकारियों की क्षमता मजबूत करना था, ताकि लैंगिक संबंधी नीतिगत प्रतिबद्धताओं को मापने योग्य बजटीय कार्यवाहियों में बदला जा सके। इससे हिमाचल प्रदेश में समावेशी विकास और सामाजिक समानता सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम में योजना विभाग के सलाहकार डॉ. बासु सूद ने कहा कि लैंगिक संवेदनशील योजना और बजट संसाधनों के कुशल उपयोग का महत्वपूर्ण साधन है। सफलता के लिए सिर्फ प्रशासनिक पालन नहीं, बल्कि सोच में बुनियादी बदलाव जरूरी है। योजना विभाग और जीआईजेड इंडिया के विशेषज्ञों ने लैंगिक विश्लेषण, डेटा-आधारित निर्णय लेना और निगरानी ढांचे पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इससे विभाग अपनी मौजूदा योजनाओं में लैंगिक दृष्टिकोण जोड़ सकेंगे। बैठक में विभिन्न विभागों के प्रमुखों और नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में कार्यान्वयन की व्यावहारिक चुनौतियों पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रत्येक विभाग को लैंगिक परिणामों की रिपोर्टिंग सुधारने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा गया। यह सहयोगी प्रयास विभागों के बीच समन्वय बढ़ाएगा और राज्य में जवाबदेह, परिणाम-उन्मुख सार्वजनिक व्यय को मजबूत करेगा।

वर्षा एवं बर्फबारी के दृष्टिगत सभी स्तरों पर समुचित प्रबंध : मनमोहन शर्मा

सोलन । उपायुक्त एवं ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सोलन के अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला में आज व्यापक स्तर पर हुई बर्फबारी और वर्षा के दृष्टिगत ज़िला प्रशासन ने सभी एहतियाती उपाय सुनिश्चित बनाए हैं। मनमोहन शर्मा ने कहा कि सभी विभागों को आवश्यक सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि ज़िला के सभी उपमण्डलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं अन्य अधिकारियों को विषम परिस्थितियों के अनुरुप त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि ज़िला के चायल, सोलन उपमण्डल के खनोग, कसौली, बड़ोग तथा करोल का टिब्बा सहित ऊंचाई वाले कुछ अन्य क्षेत्रों पर बर्फबारी की सूचना है। उन्होंने कहा कि इन सभी क्षेत्रों में आवश्यक सेवाएं जारी रखने के लिए विभाग क्रियाशील हैं।

उपायुक्त ने कहा कि पेयजल और विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित बनाने के साथ-साथ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को 24ङ्क7 तैयारी के निर्देश दिए गए हैं। मनमोहन शर्मा ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि मौसम की स्थिति के अनुकूल ही यात्रा करें और मार्ग में सभी निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि आज हुई बर्फबारी में सोलन तहसील के गौल गांव में पहाड़ी से पत्थर गिरने के कारण 15 वर्षीय लड़की हिमानी पुत्री दुनी चंद की दु:खद मृत्यु का समाचार है। पीड़ित परिवार को तात्कालिक राहत राशि के रूप में 25 हजार रुपए की राशि प्रदान की गई है। कसौली तहसील में पेड़ गिरने के कारण कुछ वाहनों का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि बर्फबारी के कारण चायल मार्ग यातायात के लिए बाधित है। विद्युत बोर्ड के 1856 डी.टी.आर. बाधित होने के कारण कुछ क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है। लोक निर्माण विभाग तथा विद्युत बोर्ड द्वारा सड़क बहाली एवं विद्युत आपूर्ति को शीघ्र सुचारू बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला में सभी स्थानों पर आवश्यक वस्तुओं का समुचित भण्डारण उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि यह वर्षा एवं बर्फबारी किसानों एवं बागवानों के लिए समुचित रूप से लाभदायक सिद्ध होगी।

योजनाओं को गति देने के लिए स्टीक डाटा संग्रहण करना आवश्यक: मनमोहन शर्मा

सांख्यिकी सुदृढ़ीकरण के लिए सहायता योजना विषय पर कार्यशाला आयोजित

सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि विभिन्न योजनाओं को गति देने और नई योजनाएं बनाने के लिए स्टीक डाटा संग्रहण करना आवश्यक है। मनमोहन शर्मा आज यहां हिमाचल प्रदेश आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग तथा केन्द्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में सांख्यिकी सुदृढ़ीकरण के लिए सहायता योजना (स्पोर्ट फॉर स्टेटिस्टिकल स्ट्रेथनिंग-एस.एस.एस.) विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मनमोहन शर्मा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य राज्य सांख्यिकीय प्रणालियों की क्षमता में वृद्धि करना है ताकि स्टीक सांख्यिकीय डाटा उपलब्ध हो सके। उपायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह सुशासन और विकास से संबंधित डाटा सांख्यिकी विभाग के डाटा से मिलान व अद्यतन करना सुनिश्चित बनाएं। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी सुदृढ़ीकरण के लिए सहायता योजना से डाटा संग्रहण करने में सुगमता होगी। मनमोहन शर्मा ने कहा कि विश्वसनीय डाटा स्टीक और पारदर्शी निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन ने कहा कि यह कार्यशाला डाटा को और बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि सभी विभाग तथ्यों पर आधारित डाटा एकत्रित करना सुनिश्चित बनाएं तथा यह डाटा सांख्यिकी विभाग को उपलब्ध करवाएं। आर्थिक सलाहकार डॉ. विनोद राणा ने कहा कि सांख्यिकी प्रणाली प्रमाणिक डाटा प्रदान करती है। उन्होंने सभी डाटा-सृजन विभागों से आग्रह किया कि वह ऐसा डाटा तैयार करें जो सत्यापन योग्य हो। डॉ. राणा ने डाटा संग्रहण करने के दौरान आने वाली चुनौतियों, विश्वसनीयता और उसकी गुणवत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उप निदेशक सुरेश वर्मा ने ज़िला सुशासन डाटा संग्रहण के बारे में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सारगर्भित जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि ज़िला सुशासन डाटा संग्रहण करने का उद्देश्य शासन की गुणवत्ता मापने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से डाटा संग्रहित करना और उसका विश्लेषण करना है। ज़िला सांख्यिकी अधिकारी सोलन प्रेम ठाकुर ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विषय पर जानकारी प्रदान की और डाटा संग्रहण के लिए सभी विभागों को प्रशिक्षण देने का आग्रह किया। उन्होंने विभिन्न विभागों तथा अन्य एकत्रित किए गए डाटा की जानकारी भी दी।

मुख्यमंत्री ने आवश्यक सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रशासन को युद्ध-स्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बर्फबारी के दृष्टिगत जन-जीवन को सामान्य बनाये रखने के लिए प्रशासन को दिशा-निर्देश दिए हैं।मुख्यमंत्री ने बर्फबारी के कारण कुछ क्षेत्रों में प्रभावित आवश्यक सेवाओं को तुरन्त बहाल करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल और अन्य जरूरी जन सेवाओं को प्रदान करने वाले संस्थानों के मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर यातायात के लिए बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि बाधित सड़कों को बहाल करने के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मी तथा मशीनरी तैनात की जाए ताकि लोगों को किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत और जलापूर्ति योजनाओं को सुचारू बनाये रखने के लिए भी जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिला प्रशासन को प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे जरूरतमंद लोगों को आवश्यक मदद प्रदान करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम व विभाग को बर्फबारी से प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्नों की सुचारू आपूर्ति बनाये रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा - निर्देशों का सक्रिय रूप से पालन करने के निर्देश दिए।

वंदे भारत ट्रेन पर पत्थर चलाने वालों की खैर नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ देशव्यापी अभियान छेड़ दिया है। जुलाई से दिसंबर 2025 के बीच के आंकड़ों के अनुसार, पिछले छह महीनों में देशभर में पत्थरबाजी की कुल 1,698 घटनाएं दर्ज की गई हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इन मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 665 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि पत्थरबाजी की यह खतरनाक प्रवृत्ति न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर रही है।

आरपीएफ की जांच में सामने आया है कि पत्थरबाजों के निशाने पर सबसे अधिक वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनें हैं। हालांकि इन आधुनिक ट्रेनों में बेहद मजबूत रीइन्फोर्स्ड कांच लगाए गए हैं, लेकिन भारी पथराव के कारण वे भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। वहीं, सामान्य यात्री ट्रेनों में खिड़की के शीशे टूटने से कई यात्रियों के घायल होने की खबरें भी आई हैं। रेलवे ने उन संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की है जहां ऐसी घटनाएं बार-बार होती हैं। इन क्षेत्रों में आरपीएफकी गश्त बढ़ा दी गई है और अपराधियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज के साथ-साथ स्थानीय मुखबिरों की मदद ली जा रही है। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि यात्रियों की जान जोखिम में डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पकड़े गए आरोपियों पर भारतीय रेलवे अधिनियम की गंभीर धाराओं (150, 152, 153 और 154) के तहत मुकदमे चलाए जा रहे हैं। इन धाराओं के तहत अपराध की गंभीरता के आधार पर 1 साल से लेकर 10 साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है। रेलवे का कहना है कि वे इन मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। रेलवे केवल कानूनी कार्रवाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इस समस्या की जड़ तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। इसके लिए रेलवे ट्रैक के किनारे स्थित स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ताकि बच्चों को इसके कानूनी परिणामों के बारे में बताया जा सके।

क्लास में छात्र की पिटाई का वीडियो आया सामने, पिता का खौला खून

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के प्रतिष्ठित सेंट कोलंबा स्कूल के 11वीं कक्षा के छात्र की खुदकुशी मामले में दो महीने बाद एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने इस केस में नया मोड़ ला दिया है। 16 साल के छात्र ने मेट्रो स्टेशन से कूदकर जान दे दी थी और अब क्लासरूम का एक कथित वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें टीचर छात्र के साथ सख्ती करती नजर आ रही हैं।

सामने आया यह वीडियो महज 31 सेकंड का है, लेकिन इसमें दिखने वाली तस्वीरें विचलित करने वाली हैं। वीडियो में छात्र एक कुर्सी के ऊपर से कूदते हुए दिखाई देता है। इसके टीचर उसके पीछे आती हैं और उसकी पीठ पर तीन बार मारती हैं। ये वही टीचर हैं जिनका नाम छात्र के सुसाइड नोट में है। छात्र ने अपने सुसाइड नोट में लिखा था, मेरा दर्द झूठा बताया गया।

छात्र ने तीन शिक्षकों और हेडमिस्ट्रेस पर उसे अपमानित करने का आरोप लगाया था। छात्र ने लिखा था कि ड्रामा क्लास के दौरान वह गिर गया था, लेकिन टीचर ने उस पर चोट का नाटक करने का आरोप लगाया। जब वह रोने लगा, तो उसे भी झूठा बता दिया गया। नोट में इच्छा ने लिखा था कि जैसा व्यवहार मेरे साथ हुआ, वैसा किसी और छात्र के साथ न हो। पिता का सवाल-पुलिस और क्या सबूत चाहती है? करोल बाग में रहने वाले छात्र के पिता ने बताया कि उन्होंने क्लास का पूरा एक घंटे का फुटेज देखा है। उनके मुताबिक, एक घंटे की क्लास में टीचर ने उसे तीन बार डांटा और तीन बार मारा। पिता इस बात से नाराज हैं कि पुलिस ने अब तक टीचर को गिरफ्तार नहीं किया है। उन्होंने कहा, हम 12 मार्च को होने वाली हाई कोर्ट की सुनवाई में यह मुद्दा उठाएंगे। घटना के दो दिन बाद ही नोट में नामजद चार शिक्षकों और हेडमिस्ट्रेस को सस्पेंड कर दिया गया था।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 328वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 170 नशा तस्कर गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य से नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू किए गए अभियान " युद्ध नशों विरुद्ध" के 328वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 387 स्थानों पर छापेमारी की। इसके परिणामस्वरूप राज्य भर में 96 एफआईआर दर्ज कर 170 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 328 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 46,381 हो गई है।

इन छापेमारियों के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 485 ग्राम हेरोइन, 120 किलोग्राम भुक्की, 1184 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 7400 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और एसएसपी को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के खिलाफ युद्ध की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का भी गठन किया गया है।

इस अभियान के दौरान 73 गजेटेड अधिकारियों की निगरानी में 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 387 स्थानों पर छापेमारी की। दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 409 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

गौरतलब है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति—इन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी)—लागू की है। इस रणनीति के तहत पंजाब पुलिस ने आज 47 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार लेने के लिए सहमत किया है।

माई भारत 25 जनवरी को करेगा राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय मतदाता जागरूकता पदयात्रा आयोजित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर माय भारत, चंडीगढ़, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत, एनएसएस इकाई, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सहयोग से 25 जनवरी 2026 को प्रातः 9:00 बजे राज्य/केंद्रशासित प्रदेश स्तरीय मतदाता जागरूकता पदयात्रा का आयोजन कर रहा है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं में मतदान के प्रति जागरूकता, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं नैतिक मतदान को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में मतदाता शपथ, प्रथम बार मतदाताओं का सम्मान एवं पदयात्रा शामिल होगी।

युवाओं एवं विशेष रूप से प्रथम बार मतदान करने वाले नागरिकों से कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया जाता है।

आदर्श पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़ में बसंत पंचमी समारोह आयोजित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आदर्श पब्लिक स्कूल, सेक्टर-20B में बसंत पंचमी का त्योहार भक्ति और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत ज्ञान और बुद्धि के लिए देवी सरस्वती का आशीर्वाद लेने के लिए हवन और सरस्वती वंदना से हुई। छात्रों और शिक्षकों ने आध्यात्मिक कार्यक्रमों और शिक्षा और सीखने के महत्व पर प्रकाश डालने वाले भाषणों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

शांतिपूर्ण माहौल ने त्योहार के सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शाया।

समारोह का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिससे यह कार्यक्रम सार्थक और यादगार बन गया।

जम्मू और कश्मीर में 3 फॉर्मेट में सबसे बड़ा ग्रासरूट इंटरनेशनल क्रिकेट प्लेटफॉर्म टी 10 गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जी एम सी एल) की घोषणा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हाल ही में, जी एम बॉक्स क्रिकेट एसोसिएशन (जी एम बी सी ए) और गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जी एम सी एल) ने जम्मू और कश्मीर में 10 ओवर के टी 10 क्रिकेट टूर्नामेंट की घोषणा की है, जो दिल्ली/ अन सी आर , उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और महाराष्ट्र राज्यों के बाद है। बाबा इंदर प्रीत ने कहा, 'जम्मू और कश्मीर में उभरते हुए लड़के और लड़कियों के क्रिकेटरों के लिए लेदर बॉल, टेनिस बॉल ओपन ग्राउंड और टेनिस बॉल बॉक्स क्रिकेट फॉर्मेट में लोकल से ग्लोबल प्लेटफॉर्म की घोषणा की गई है। चुने गए 1000 खिलाड़ियों को जी एम सी एल के डोमेस्टिक और इंटरनेशनल मैचों में खेलने का मौका मिलेगा और वे 11 लाख रुपये की मेगा प्राइज मनी के लिए मुकाबला करेंगे।' एक स्टेट कोऑर्डिनेटिंग टीम बनाई गई है जो जम्मू और कश्मीर में ट्रायल्स, ट्रेनिंग कैंप, एग्जीबिशन मैच और टूर्नामेंट आयोजित करेगी।

लखनऊ में आयोजित ऑल इंडिया प्रीसाइडिंग ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस में स्पीकर ने की सहभागिता

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने लखनऊ में आयोजित 86वीं ऑल इंडिया प्रीसाइडिंग ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस (ए.आई. पी.ओ.सी.) में भाग लिया। उत्तर प्रदेश विधानसभा द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देशभर की विधानसभाओं और विधान परिषदों के अग्रणी सदस्यों ने सहभागिता की।

इस सम्मेलन के दौरान सुशासन, लोकतांत्रिक संस्थाओं के समक्ष वर्तमान चुनौतियाँ तथा विधायी कार्यों में तकनीक के बढ़ते उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। स्पीकर ने कहा कि इस प्रकार की चर्चाएँ आज के डिजिटल युग में लोकतंत्र को और अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी।

सम्मेलन के दौरान स्पीकर ने उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री स बलदेव सिंह औलख से भी एक सकारात्मक और रचनात्मक भेंट की। बैठक में कृषि क्षेत्र से जुड़ी वर्तमान चुनौतियों तथा किसानों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से चर्चा हुई। स्पीकर स औलख की सादगी, दूरदर्शी सोच और कृषि संबंधी मुद्दों के प्रति उनकी गंभीरता से अत्यंत प्रभावित हुए तथा उन्होंने कृषि मंत्री के प्रति अपना आभार और आत्मीय सम्मान व्यक्त किया।

रैंप योजना के अंतर्गत निफ़्ट मोहाली में क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

हिन्द जनपथ
साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। ज़िला साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों रैंप के लिए रैंप (Raising and Accelerating MSME Performance) योजना के अंतर्गत आज नॉर्दर्न इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ़्ट), फेज़-1 इंडस्ट्रियल एरिया, मोहाली में एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, पंजाब सरकार द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य एम एस एम उद्यमियों की क्षमता को सुदृढ़ करना था, जिसके लिए संरचित एवं उपयोगी प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। कार्यशालाओं में रैंप योजना की जानकारी, लेखा एवं वित्त की मूल बातें, एम एस एम इज़ के लिए डिजिटल मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग तथा ग्रीन एवं ऊर्जा-कुशल भवनों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

डॉ. संजीव चड्ढा (प्रोफेसर एवं प्रमुख, एम डी सी, मग्सिपा) ने एम एस एम ई प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि क्षमता निर्माण से व्यवसायिक प्रदर्शन, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता तथा सतत विकास में किस प्रकार सुधार होता है। उन्होंने उद्यमियों के लिए डिजिटल सहायता और डिजिटलीकरण के महत्व पर भी विशेष बल दिया।

इस अवसर पर श्री स्मित कश्यप (एस आई डी बी आई), श्रीमती सुखमन बाठ (रोज़गार सृजन विभाग), श्री धीर सिंह (मुख्य प्रबंधक, पी एन बी), श्री रमेश्वर लाल (वरिष्ठ प्रबंधक, पी एन बी) तथा श्री रविंदर सिंह हुंदल (तकनीकी शिक्षा विभाग) की गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम और अधिक लाभदायक रहा। उन्होंने उद्यमियों से संवाद करते हुए ऋण सहायता, औद्योगिक सहयोग एवं कौशल विकास से संबंधित व्यावहारिक जानकारियाँ साझा कीं।

सत्र के दौरान उद्यमियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया तथा वित्त, विपणन, अनुपालन एवं क्षमता संवर्धन से जुड़े मुद्दों पर प्रश्न पूछकर उनके समाधान पर विचार-विमर्श किया। यह कार्यक्रम उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, पंजाब के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसे प्रतिभागियों ने इसकी उपयोगिता एवं व्यवहारिक जानकारी के लिए सराहा।

'गैंगस्टरों पर वार' का चौथा दिन: पंजाब पुलिस ने विशेष अभियान के दौरान 8328 किरायेदारों की जांच की; 132 व्यक्तियों को हिरासत में लिया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरों पर वार' के चौथे दिन, पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को राज्य भर के उप-शहरी क्षेत्रों तथा शहरों और कस्बों के बाहरी इलाकों में स्थित कॉलोनियों में रहने वाले किरायेदारों की पहचान और पृष्ठभूमि सत्यापन के लिए राज्य-स्तरीय अभियान चलाया। यह कार्रवाई 72 घंटे के 'ऑपरेशन प्रहार', जिसे मंगलवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने 'गैंगस्टरों पर वार' अभियान के तहत शुरू किया था, के पूरा होने के बाद अमल में लाई गई। ऑपरेशन प्रहार के तहत 12,000 पुलिस कर्मियों वाली 2000 से अधिक पुलिस टीमों को पूरे पंजाब में 60 विदेशी गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए ठिकानों पर छापेमारी के लिए तैनात किया गया था। इस संबंध में विवरण साझा करते हुए पुलिस के स्पेशल डायरेक्टर जनरल (स्पेशल डीजीपी) कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य आम जनता में सुरक्षा की भावना पैदा करना और समाज विरोधी तत्वों में भय उत्पन्न करने के लिए क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाना था। यह कार्रवाई राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाई गई और सीपी/एसएसपी को भारी पुलिस बल की तैनाती के साथ इस अभियान की योजना बनाने के निर्देश दिए गए थे। एसपी/डीएसपी रैंक के अधिकारियों की अगुवाई में 2500 पुलिस कर्मियों वाली 815 से अधिक पुलिस टीमों ने इस अभियान को अंजाम दिया।

- **'गैंगस्टरों पर वार' अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक पंजाब गैंगस्टरों से मुक्त नहीं हो जाता: डीजीपी पंजाब गौरव यादव**
- **लोग गैंगस्टर विरोधी हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर गैंगस्टरों के बारे में गोपनीय रूप से सूचना दे सकते हैं**

गणतंत्र दिवस के मद्देनज़र, अमृतसर से बी.के.आई. ऑपरेटिव हैंड ग्रेनेड और ग्लॉक पिस्तौल सहित काबू

- **सुरक्षा संस्थान पर होने वाले हमले को सफलतापूर्वक टाला गया: डी.जी.पी. गौरव यादव**
- **गिरफ्तार किया आरोपी शरनप्रीत सिंह अपने चचेरे भाई सिम्मा दियोल के माध्यम से इस नेटवर्क में हुआ था शामिल: ए.आई.जी. एस.एस.ओ.सी. सुखमिंदर मान**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के आदेशों के अनुसार गणतंत्र दिवस के शांतिपूर्ण समारोहों को सुनिश्चित करने के लिए राज्य में कड़े सुरक्षा प्रबंधों के तहत स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एस.एस.ओ.सी.), अमृतसर ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार कर इसी संगठन से जुड़े आतंकवादी गिरोह द्वारा सुरक्षा संस्थान पर किए जाने वाले आतंकवादी हमले को टाल दिया। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान तरनतारन के गांव दीनेवाल निवासी शरनप्रीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने उसके कब्जे से एक पी-86 हैंड ग्रेनेड, एक 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, पांच जिंदा कारतूस और 65 ग्राम आई.सी.ई. ड्रग बरामद की है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश स्थित बी.के.आई. संचालकों निशान सिंह उर्फ निशान जौड़ियां, आदेशबीर सिंह उर्फ आदेश जमराए और सिमरनजीत सिंह उर्फ सिम्मा दियोल के इशारों पर काम कर रहा था, जो पंजाब में दहशत और भय का माहौल पैदा करने के लिए विघटनकारी गतिविधियों को अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

State Special Operation Cell
Amritsar

ए.आई.जी. एस.एस.ओ.सी., अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने कहा कि खुफिया ऑपरेशन के तहत एस.एस.ओ.सी. अमृतसर की टीमों ने संदिग्ध शरणप्रीत सिंह को अमृतसर–तरनतारन हाईवे पर बंडाला मोड़ क्षेत्र से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक ग्लॉक पिस्तौल, गोला-बारूद और 65 ग्राम आईसीई ड्रग बरामद की।

निरंतर पूछताछ के दौरान शरणप्रीत सिंह ने खुलासा किया कि हाल ही में उसके हैंडलरों ने एक हैंड ग्रेनेड की डिलीवरी का प्रबंध किया था, जिसे उसने अमृतसर–तरनतारन हाईवे पर चर्च के पास एक स्थान पर छिपाया था। उन्होंने कहा कि आरोपी द्वारा किए गए खुलासे पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एस.एस.ओ.सी. अमृतसर की टीम आरोपी को उक्त स्थान पर ले गई, जहां से एक पी-86 हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया।

एआईजी ने कहा कि जांच से पता चला है कि आरोपी शरनप्रीत सिंह अपने चचेरे भाई सिम्मा दियोल के माध्यम से इस नेटवर्क में शामिल हुआ था। अपने हैंडलरों के निर्देशों पर आरोपी विस्फोटकों, हथियारों आदि की खेपों की आपूर्ति कर रहा था और अवैध धन का प्रबंधन कर रहा था।

इस संबंध में पुलिस थाना एस.एस.ओ.सी. अमृतसर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22, आर्म्स एक्ट की धारा 25 तथा बीएनएस की धारा 61(2) के तहत एफआईआर नंबर 02 दिनांक 21.01.2026 दर्ज की गई थी और बाद में ग्रेनेड की बरामदगी के उपरांत इसमें विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराएं जोड़ी गईं।

बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए दिन-रात काम कर रहा है पीएसपीसीएल स्टाफ

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब राज्य में तेज़ हवाओं के साथ हुई व्यापक बारिश के कारण राज्य के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। बिजली आपूर्ति बाधित होने का मुख्य कारण पेड़ों का उखड़कर बिजली लाइनों पर गिरना रहा, जिससे बिजली के खंभे टूट गए और ट्रांसफार्मर संरचनाओं को नुकसान पहुंचा।

बिजली विभाग के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि निर्माणाधीन एक ट्रांसमिशन टावर बनूड–भाबत 66 केवी लाइन पर गिर गया, जिसके कारण ज़ीरकपुर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार राज्य भर में 600 से अधिक बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हुए हैं तथा वितरण ट्रांसफार्मरों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

कठिन मौसम परिस्थितियों के बावजूद पीएसपीसीएल का स्टाफ दिन-रात लगातार कार्य कर रहा है ताकि बिजली आपूर्ति को शीघ्रातिशीघ्र बहाल किया जा सके।

जीरकपुर में 17 घंटों से बिजली-पानी को तरसे राम विहार और बलटाना निवासी

ज़ीरकपुर/बलटाना : आज जॉइंट एक्शन कमेटी फॉर वेलफेयर ऑफ बलटाना रेजिडेंट्स के प्रधान और राम विहार कॉम्प्लेक्स के अध्यक्ष प्रताप सिंह राणा ने प्रशासन के खिलाफ अपना कड़ा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ ज़ीरकपुर को आधुनिक शहर और मिनी गुड़गांव बनाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर यहाँ की बुनियादी सुविधाएं किसी पिछड़े गांव से भी बदतर हो चुकी हैं।

राणा ने बताया कि पिछले 17 घंटों से पूरा इलाका अंधेरे में डूबा हुआ है। बिजली न होने के कारण घरों में पानी की भारी किल्लत हो गई है, जिससे बुजुर्गों, बच्चों और मरीजों को असहनीय कष्ट झेलना पड़ रहा है।

प्रशासन पर हमला बोलते हुए श्री राणा ने कहा कि यह अत्यंत शर्मनाक है कि कड़ाके की ठंड और चुनौतीपूर्ण मौसम के बीच जनता को इस तरह बेसहारा छोड़ दिया गया है। विभाग के अधिकारियों को बार-बार सूचित करने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। बिजली विभाग और नगर परिषद के बीच तालमेल की कमी का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।' उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अगले कुछ घंटों के भीतर बिजली और पानी की आपूर्ति सुचारू रूप से बहाल नहीं की गई, तो जॉइंट एक्शन कमेटी निवासियों के साथ मिलकर विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होगी, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से प्रशासन की होगी।

सुनियोजित आतंकी हमला टला; होशियारपुर से चार बी.के.आई. कार्यकर्ता आई.ई.डी. और दो पिस्तौल सहित गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गणतंत्र दिवस के मद्देनज़र पाकिस्तान की आई.एस.आई. समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए होशियारपुर पुलिस ने काउंटर इंटेलिजेंस (सी.आई.), जालंधर के साथ संयुक्त अभियान में प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बी.के.आई.) से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई के दौरान मॉड्यूल के चार कार्यकर्ताओं को लगभग 2.5 किलोग्राम वज़न वाले आरडीएक्स-आधारित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आई.ई.डी.) सहित गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान दिलजोत सिंह, हरमन सिंह उर्फ हैरी उर्फ हरी, अजय उर्फ महिरा और अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श कंडोला के रूप में हुई है। ये सभी एस.बी.एस. नगर जिले के राहों क्षेत्र के निवासी हैं। आरडीएक्स-आधारित आई.ई.डी. के अलावा पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से दो पिस्तौल भी बरामद की हैं। डी.जी.पी. गौरव यादव ने बताया कि यह आतंकी मॉड्यूल अमेरिका-आधारित बी.के.आई. हैंडलरों द्वारा संचालित किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच से यह सामने आया है कि बरामद आई.ई.डी. का इस्तेमाल आगामी गणतंत्र दिवस समारोहों को ध्यान में रखते हुए एक सुनियोजित आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए किया जाना था। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंधों को स्थापित करने के लिए विस्तृत जांच जारी है। ऑपरेशन से संबंधित जानकारी साझा करते हुए होशियारपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एस.एस.पी.) संदीप मलिक ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर होशियारपुर पुलिस और सी.आई. जालंधर की टीमों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से आरडीएक्स-आधारित आई.ई.डी. तथा दो पिस्तौल बरामद कीं।

बिगड़ते मौसम व भारी बरसात में भी निकाले गए सीटीयू आऊटसोर्सिंग कर्मचारियों का 45 वें दिन भी नौकरी बहाली के लिए संघर्ष जारी

चंडीगढ़ प्रशासक से भारतीय मजदूर संघ की हुई मुलाकात से बंधीं उम्मीद: बलराज दहिया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ में आज बसंत पंचमी के दिन मौसम के मिजाज भी दिनभर बिगड़ते रहे। रात से ही एक तरफ़ तेज़ हवाओं का दौर चला तो दूसरी तरफ़ रात से ही लगातार बारिश भी होती रही। इस बिगड़ते मौसम में भी सीटीयू से निकाले गए आऊटसोर्सिंग कर्मचारियों का आज 45 वें दिन भी संघर्ष जारी रहा।

सीटीयू कांट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन के चेयरमैन गुरविंदर सिंह ने हाल ही में डायरेक्टर ट्रांसपोर्ट प्रद्युम्न सिंह व वरिष्ठ भाजपा नेता संजय टंडन को नौकरी बहाली के मुद्दे पर जल्द संज्ञान लेने की अपील की थी।

सीटीयू कांट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन के प्रधान बलराज दहिया ने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले हुई मीटिंग से लगभग 45 दिन से न्याय के लिए इंतजार कर रहे आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को कुछ उम्मीद बंधी है।

इस बिगड़ते मौसम व बरसात में भी न्याय की पुकार कर रहे सीटीयू आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का हौसला बरकरार रहा।

सीटीयू कांट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन के प्रधान बलराज दहिया व चेयरमैन ने एक ओर भारतीय मजदूर संघ का इन गरीब कर्मचारियों का मुद्दा शासन तक पहुंचाने के लिए भारतीय मजदूर संघ के प्रधान बलविंदर सिंह व सीटीयू युनियन के जसवंत सिंह का धन्यवाद किया। दूसरी तरफ़ डायरेक्टर ट्रांसपोर्ट प्रद्युम्न सिंह व वरिष्ठ भाजपा नेता संजय टंडन से भी अपील की कि निकाले गए 300 आउटसोर्सिंग कर्मचारियों व उनके परिजनों को न्याय दिलाया जाए।

सीटीयू कांट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा लोकल रूटों पर लगी 85 बसों के 15 साल पूरे होने उपरांत 142 आउटसोर्सिंग ड्राइवरों को आफ रुट करने तथा नई इलेक्ट्रिक बसों के आगमन पर ड्यूटी न देने पर समर्थन में उतरे 158 टर्मिनेट किए गए व कुल मिलाकर 300 आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं।

रात भर से चल रहे तूफान व बारिश से जमीन गीली व तंबू उखड़ने से संघर्ष कर रहे कर्मचारियों को एक ट्राली में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

किसान परिवारों से जुड़े आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने आज बसंत पंचमी के मौके पर फिर नौकरी बहाली के लिए शासन व प्रशासन से अपील की।

पंजाब ने विशेष स्टील निर्माण क्षेत्र में 1003.57 करोड़ का ग्रीनफील्ड निवेश आकर्षित किया : संजीव अरोड़ा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब ने विशेष स्टील निर्माण क्षेत्र में एक बड़ा ग्रीनफील्ड निवेश प्राप्त किया है, जिससे राज्य के औद्योगिक जगत को और मजबूती मिली है।

आज यहां यह जानकारी साझा करते हुए उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन तथा बिजली मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि लगभग 2,200 करोड़ के टर्नओवर वाली ए.आई.एस.आर. एम. मल्टीमेटल्स प्राइवेट लिमिटेड - जो अरोड़ा आयरन ग्रुप का हिस्सा है - ने गांव जसपालों दोराहा-खन्ना रोड, जिला लुधियाना में एक अत्याधुनिक स्टील निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए 1003.57 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव पेश किया है।

यह प्रोजेक्ट लगभग 46 एकड़ के क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा और इससे 920 से अधिक व्यक्तियों के लिए रोजगार उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र में औद्योगिक रोजगार को बड़ा उछाल मिलेगा। यह प्रोजेक्ट तीन चरणों में लागू किया जाएगा और इसका पहला चरण सितंबर 2027 तक चालू करने का लक्ष्य है। प्रस्तावित यूनिट की स्थापित क्षमता 5.40 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) होगी और यहां कच्चे माल के रूप में स्क्रैप तथा फेरो अलॉयज का उपयोग करके राउंड बार्स, वायर रॉड, कॉइल तथा फ्लैट तैयार किए जाएंगे।

पहचान के लिए अपील

आम जनता को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति, आयु लगभग 40 वर्ष, ऊंचाई 5'5", पतला शरीर, सांवला रंग, हरे रंग की टी-शर्ट पहने हुए था और उसने कोई अंडरवियर/पैंट नहीं पहनी थी, दिनांक 18.01.2026 को कंट्रोल रूम चंडीगढ़ से एक टेलीफोन संदेश मिला कि एक बेहोश व्यक्ति विकास नगर लाइट प्वाइंट मौली जागरां चंडीगढ़ के पास पड़ा है और पीसीआर गाड़ी उसे जीएमसीएच-32 लेकर गई, जहाँ ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में पुलिस स्टेशन मौली जागरां चंडीगढ़ में एक डीडीआर नंबर 28, दिनांक 18.01.2026 दर्ज की गई है। मृतक के कानूनी वारिसों के बारे में पता नहीं है। उसकी फोटोग्राफ ऊपर दी गई है।
यदि मृतक के बारे में कोई जानकारी मिलती है, तो कृपया एसएचओ, पुलिस स्टेशन मौली जागरां को दूरभाष नंबर 9779580951, 0172-2929717, 2751033, 9463034361 या पुलिस कंट्रोल दूरभाष नंबर 0172-2749194 अथवा112 पर सूचित करें।
A-20 चंडीगढ़ पुलिस

संपादकीय

पिटाई, भूख और खामोशी,घटना ने खड़े किए कई सवाल

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में एक बच्ची को घरेलू सहायिका बनाकर रखने तथा उसके साथ मारपीट एवं क्रूरतापूर्ण व्यवहार करने की घटना न केवल मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली है, बल्कि यह समाज में कुछ लोगों की कुंठित और विकृत मानसिकता को भी उजागर करती है। हैरत की बात है कि यह सब सुरक्षा का जिम्मा संभाले सीआरपीएफ यानी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के रिहाइशी परिसर में हुआ। आरोपी इसी बल का कर्मी है और पुलिस ने उसे और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है।कहा जा रहा है कि आरोपी ने घरेलू काम के लिए इस बच्ची को अपने आवास पर रखने की आधिकारिक अनुमति नहीं ली थी। ऐसे में सवाल है कि इस मामले में कार्रवाई करने में इतनी देरी क्यों हुई? क्या आसपास रहने वाले दूसरे कर्मियों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनका कोई सहयोगी एक बच्ची से घर का काम करवाता है और उसके साथ मारपीट करता है?गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा के सीआरपीएफ परिसर में इस घटना का पता तब चला, जब आरोपी जवान ने अपने आवास पर काम के लिए रखी दस वर्ष की बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सीय जांच में बच्ची के शरीर पर कई जख्म पाए गए और उसमें खून की मात्रा भी बहुत कम पाई गई। पूछताछ में पता चला कि आरोपी और उसकी पत्नी इस बच्ची से अक्सर मारपीट करते थे और कई बार भोजन भी नहीं देते थे। यह जानते हुए कि बाल श्रम कराना अपराध है, इसके बावजूद एक बच्ची को घर पर काम के लिए रखना और उसके साथ मारपीट करना, यह किस तरह की मानसिकता को दर्शाता है। क्या कुछ लोगों के भीतर कानून का खौफ इस कदर खत्म हो गया है? हालांकि सीआरपीएफ ने विभागीय कार्रवाई के तहत आरोपी जवान को निलंबित कर दिया है, लेकिन पीड़ित बच्ची ने जो यातना झेली है।

सोमवार की देर शाम संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का भारत आना अप्रत्याशित था। भले ही, यह उनकी अब तक की पांचवीं यात्रा थी और बतौर राष्ट्रपति तीसरी, लेकिन इस दौरे की जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय ने महज एक दिन पहले साझा की। फिर, उनका पूरा दौरा बमुश्किल दो घंटे का था। वह तकरीबन सवा चार बजे पालम हवाई अड्डे पर उतरे और सवा छह बजे अपने देश के लिए रवाना हो गए। बेहद संक्षिप्त होने के बावजूद इस यात्रा के दीर्घकालिक निहितार्थ हैं। पहला, इसकी पहल संयुक्त अरब अमीरात की तरफ से की गई थी, जिसका अर्थ है कि राष्ट्रपति जल्द कुछ ठोस बातचीत करना चाहते थे। यह 'मसला' पश्चिम एशिया से जुड़ा भी हो सकता है, क्योंकि अभी इस खित्ते में उथल-पुथल मची हुई है।

भारत-यूएई औचक वार्ता का मतलब

(कंवल सिब्बल)

करीब तीन हफ्ते पहले यमन में सऊदी अरब के सैनिकों ने मुकल्ला शहर पर बमबारी इसलिए की थी, क्योंकि वहां कथित तौर पर यूएई से अलगाववादी गुट के लिए हथियारों की खेप आई थी। बेशक, दोनों देशों में यह कोई नई अदावत नहीं है, पर तीन महीने पहले सऊदी अरब व पाकिस्तान में रक्षा समझौता हुआ है और इसमें तुर्किये को भी शामिल करने की योजना है। ऐसे में, माना यही जा रहा है कि यूएई भी हमारे साथ ऐसा ही कोई रक्षा संबंध चाहता है, ताकि भारत इस क्षेत्र का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन जाए और शक्ति का संतुलन बन सके। नई दिल्ली इससे गाफिल नहीं है, इसलिए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने तत्काल साफ कर दिया कि नाहयान की यात्रा का गलत अर्थ नहीं निकाला जाए। सऊदी अरब को लेकर नई दिल्ली का रुख स्पष्ट है और भारत वहां के समीकरण में एक के खिलाफ दूसरे को समर्थन देने की नीति नहीं अपनाएगा। यह उचित बयान है। वहां के तनाव में किसी एक का पक्ष लेना कूटनीतिक तौर पर घातक साबित हो सकता है, क्योंकि सऊदी अरब के साथ हमारे रिश्ते अच्छे हैं। फिर भी, नाहयान की यात्रा से निकल रहे इस संदेश से इनकार नहीं किया जा सकता कि भारत में यूएई की रक्षा हिस्सेदारी बढ़ गई है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि निरंतर और सुदृढ़ द्विपक्षीय रक्षा व सुरक्षा सहयोग को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के एक मुख्य स्तंभ के रूप में दोनों नेताओं (प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति नाहयान) ने स्वीकार किया है। इसमें यह बात भी सामने आई है कि दोनों देशों की थल सेना, नौसेना और वायु सेना से संबंधित 'सर्विस चीफ' और कमांडरों ने हाल में एक-दूसरे देश का दौरा किया है। हम उसकी रक्षा परियोजना में सहयोग देना चाहते हैं और यूएई भी चाहता है कि अमेरिका पर उसकी निर्भरता घटे। सुखद बात है कि सोमवार को दोनों देशों के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी के लिए एक ढांचागत समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में आगे बढ़ने के आशय-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। इससे पता चलता है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर पाकिस्तान गाल बजा रहा है और असलियत की जानकारी सबको है। इस यात्रा का एक मकसद 'तेल अर्थव्यवस्था' से इतर की व्यवस्था से भी जुड़ा है। यूएई ने अब अपना रुख बदल लिया है। उसने समझ लिया है कि तेल का 'खेल' जब खत्म हो जाएगा, तब व्यापार ही काम आएगा, वह भी भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, विशेष रूप से एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत बनाने की मंशा इसीलिए जताई गई है। समझौते के मुताबिक, अमीरात की कंपनी भारतीय कंपनी के साथ मिलकर एक सुपर कंप्यूटिंग क्लस्टर की स्थापना में मदद करेगी। अमीरात उभरते क्षेत्रों में निवेश करने को इच्छुक है और उसके पास काफी पूंजी भी है। उसका यह रुख हमारे हित में है। इसी तरह, 'फर्स्ट अबू धाबी बैंक' द्वारा गुजरात की 'गिफ्ट सिटी' में अपनी शाखा खोलने की अनुमति लेना भी उल्लेखनीय है, जिससे व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। इससे आर्थिक गतिविधियों में इजाफा होगा और रुपये व दिरहम में लेन-देन बढ़ जाएगा। डीपी वर्ल्ड कंपनी ने भी गिफ्ट सिटी से अपने वैश्विक संचालन के लिए जहाजों के लीजिंग सहित तमाम गतिविधियां चलाने पर सहमति जताई है। वास्तव में, भारत और संयुक्त अरब अमीरात का बढ़ता संबंध दोनों देशों को ही नहीं, कई क्षेत्रों को प्रभावित करेगा। यहां इस्लामी दुनिया की चर्चा लाजिमी है। गौरतलब है, दिसंबर 2025 के आखिरी हफ्ते में राष्ट्रपति नाहयान पाकिस्तान गए थे। उस यात्रा का मूल मकसद तो स्पष्ट नहीं हो सका था, लेकिन पाकिस्तान की ओर से यह जरूर कहा गया कि 'आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया'। ऐसे में, यूएई राष्ट्रपति के भारत आने से पाकिस्तान के ऊपर दबाव पड़ा होगा। सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौते के बाद इस्लामाबाद का 'महिमा-गान' अब बंद हो सकता है। इससे कथित 'इस्लामिक नाटो' पर भी दबाव पड़ेगा। बेशक, तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने स्पष्ट किया है कि सऊदी-पाकिस्तान रक्षा समझौते में उसे भी शामिल होने का न्योता मिला है, लेकिन उन्होंने अभी तक साफ नहीं किया है कि उनका देश इसमें शामिल हो रहा है? इसमें इसलिए भी शक अधिक है, क्योंकि सऊदी अरब और तुर्किये के रिश्ते तल्ख हैं। रियाद 'मुस्लिम ब्रदरहुड' के खिलाफ है, जबकि तुर्किये इसका समर्थन करता है। फिर ऑटोमन साम्राज्य की यादें भी दोनों के बीच कटुता बढ़ाती हैं। ऐसे में, 'इस्लामिक नाटो' कितना सफल हो सकेगा, यह अभी ठीक-ठीक नहीं कहा जा सकता। हां, 'फाइनेंशियल एक्शन टास्ट फोर्स' यानी एफएटीएफ को लेकर जो दावा किया जा रहा है कि भारत-अमीरात के गहराते रिश्ते पाकिस्तान को परेशान कर सकते हैं, गले नहीं उतरता। अमेरिका व पाकिस्तान में निकटता बढ़ी है, दोनों ने अभी-अभी आतंकवाद रोधी-अभियान में अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए संयुक्त सैन्य अभ्यास भी किया है। इस रिश्ते से ट्रंप परिवार के अपने हित भी जुड़े हैं। ऐसे में, वह शायद ही पाकिस्तान के खिलाफ जाना चाहेगा और तुर्किये का समर्थन इस्लामाबाद को हासिल ही है। लिहाजा, नाहयान की यात्रा से एफएटीएफ में पाकिस्तान की सेहत पर शायद ही कोई असर पड़ेगा। कुल मिलाकर, राष्ट्रपति नाहयान का दौरा भारत-अमीरात रिश्ते को लेकर सुखद तस्वीर बनाता है। ऊर्जा, व्यापार, खाद्य सुरक्षा, विज्ञान-प्रौद्योगिकी जैसे तमाम क्षेत्रों में दोनों एक-दूसरे का लाभ उठा सकते हैं। (लेखक पूर्व विदेश सचिव हैं)। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

हर बार औरतों के हाथ रहा ईरानी इंकलाब का परचम

(सुहेल वहीद)

ईरान में 1979 में जब इस्लामी क्रांति ने दस्तक दी और आयतुल्लाह खुमैनी पेरिस से तेहरान पहुंचे, तब उनके स्वागत में ईरानी औरतें आगे-आगे थीं। इन्हीं औरतों ने शाह पहलवी के खिलाफ जबर्दस्त प्रदर्शन किए थे। अब वही औरतें उसी मजहबी सत्ता के खिलाफ जंग लड़ रही हैं। ईरान के मौजूदा हालात के पसमंजर में हिजाब के खिलाफ शुरू हुए आंदोलन का बड़ा हाथ है, जो सितंबर 2022 में महसा अमीनी के कत्ल के बाद से ईरान ही नहीं, विदेशों में भी फैल गया था।

ईरान में लगातार उस आंदोलन का दमन किया जाता रहा, पर वह रह-रहकर उभर आता है। नवंबर 2024 में तेहरान यूनिवर्सिटी में एक छात्रा हिजाब के खिलाफ इतनी गुस्से में आ गई कि वह अपने पूरे कपड़े उतारकर कैंपस में घूमने लगी थी। हिजाब, महिला अधिकार और मानव अधिकारों के हनन के खिलाफ जद्दोजहद के लिए पूर्व अभिनेत्री और इंजीनियर नरगिस मोहम्मदी करीब 13 साल जेल में गुजार चुकी हैं, उन्हें साल 2023 में शांति के नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया था।

ईरान में जब कभी कोई आंदोलन हुआ या क्रांति आई, उसमें ईरानी औरतों ने जबर्दस्त रोल अदा किया है। 1979 के 'इस्लामी इंकलाब' के लिए भी ईरानी औरतों ने गोलियां खाई थीं। इस ऐतिहासिक घटना के करीब आठ साल पहले विख्यात लेखिका पद्म विभूषण कुर्रतुल ऐन हैदर ईरान गई थीं और वापस आने के बाद उन्होंने एक शानदार रिपोर्ताज कोहे दमावंद लिखा। उसमें उन्होंने उस वक्त के शाही ईरान का बड़ा उम्दा मंजरनामा पेश किया है। ज्ञानपीठ से सम्मानित कुर्रतुल ऐन हैदर तब ईरान के शाह की मेहमान थीं।

एक कार्यक्रम के बारे वह में लिखती हैं, 'तीसरे रोज अमजदिया स्टेडियम में तकरीबन पचास हजार नौजवान लड़के-लड़कियों ने वर्जिशी मुकाबले पेश किए। लड़कियां लड़कों के साथ कराटे लड़ीं, मोटर बाइक सवार जनाना पुलिस की लड़कियों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। आग के चक्करों से अपनी मोटरसाइकिलें कुदा ले गईं। ईरानी महिलाओं की यह तरक्की वाकई काबिले तारीफ थी, इसकी शुरुआत रजा शाह कबीर ने की थी। प्रोग्राम में पूरे ईरान की महिला कॉलेजों और स्कूलों की लड़कियां हिस्सा ले रही थीं। तब रानी शहबानो के सानो गुमान में न था कि यही छात्र और बुद्धिजीवी शहंशाहियत के खिलाफ संघर्ष का आगाज करेंगे। उनकी तस्वीरें जलाएंगे, 'मर्ग बरशाह' के नारे लगाएंगे और खुशी-खुशी मशीनगनों का निशाना बनेंगे। ये मोटर बाइक सवार और जूडो-कराटे करने वाली लड़कियां कौमी जद्दोजहद के सिंबल के तौर पर सियाह चादरें ओढ़कर उस इंकलाब में शामिल होंगी। उनको और मुझ समेत अनेक लोगों को उस वक्त मालूम न था कि ये नई मिडिल क्लास लड़कियां आठ साल बाद शहंशाहियत के खिलाफ मोर्चा लगाकर तेहरान के इस मैदान में गोलियों का निशाना बन जाएंगी, जिसे अब ईरानी 'शिकारगाहे शहंशाही' कहते हैं।'

दिलचस्प यह है कि खुमैनी को जब 1964 में देश निकाला दिया गया, तब ईरानी औरतों ने सड़कों पर जबर्दस्त प्रदर्शन किए थे और 1978 आते-आते हर तबके की ईरानी औरतें शाह के खिलाफ मोर्चा खोल चुकी थीं। इन प्रदर्शनों में 1963 की पश्चिमी सभ्यता को थोपने वाले 'काफूरी इंकलाब' व शाह की खुफिया पुलिस के रवैये का भी बड़ा हाथ था।

इस समय ईरान का सबसे बड़ा हिमायती रूस है। उसी के खिलाफ 1911 में ईरानी औरतों ने संसद के सामने जबर्दस्त प्रदर्शन किए थे, बहारिस्तान स्क्वॉयर में जोरदार तकरीरें कीं और नज्में पढ़ी थीं। रजा शाह कबीर ने 1937 में गर्ल्स कॉलेज खोला और ईरानी औरतों की दुनिया बदल दी। 1962 में ईरानी औरतों को वोट का अधिकार भी शाह ने ही दिया था। लेकिन, अब वहां की इविन जेल औरतों के लिए काल-कोठरी बन गई है। कितनी महिलाएं जेल में हैं, कोई नहीं जानता। पिछले साल मार्च में एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा था ईरान में औरतों व लड़कियों के खिलाफ व्यवस्थागत भेदभाव, हिंसा तथा महिला अधिकारों का खुला हनन हो रहा है। पिछले वर्ष जब ईरान ने इजरायल पर जवाबी हमले किए, तब वार कंट्रोल रूम की मॉनिटरिंग करते हुए ईरानी लड़कियों के वीडियो भी आए थे। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5983

1	2	■	■	3		4	5
6		7	■		■	8	
	■	9			■	10	
11	12		■	■	13	■	
■	14		15			16	■
17		■		■	18		19
	■	20			■	21	
	■	22		■	23		

संकेतः बाएं से दाएं
1. 30 मई 1987 को इसे भारत के राज्य का दर्जा मिला यह भारत का 26 वां राज्य बना (2)
3. 30 मई 1981 को हमारे देश के इस पडोसी राष्ट्र के राष्ट्रपति की उनके 8 सहयोगियों के साथ हत्या की गई (4)
6. विवाह के समय वधू का वर की अंगीकार करना (3)
8. स्थिति, दशा, अवस्था (2)
9. कलंदर, बाजीगर (3)
10. दारचीनी जाति के पत्ते के मसाले जो तरकारी आदि में इस्तेमाल होते है (2)
11. मुस्लिमों की ईश प्रार्थना जो पांच वक्त की होती है (3)
14. निर्देशक महबूब खान की और नरगिस की यादगार भूमिका वाली फिल्म जिसमें सुनील दत्त, राजेंद्र कुमार भी थे (6)
17. षोषशी, किशोरी (2)
18. दक्षिणी अमेरिका का एक देश जिसकी राजधानी जॉर्ज टाउन है (3)
20. जल की बूंद, फुहार (3)
21. हिंदी व्याकरण में अन्य पुरूष (2)
22. नारी का अपभ्रंश (3)

ऊपर से नीचे
1. श्री वृंदावन का एक पर्वत के बारे में ऐसी प्रसिद्धि है कि एक बार बहुत अधिक वर्षा होने पर अपने भक्तों के रक्षार्थ श्रीकृष्ण ने इसे कनिष्ठिका उंगली पर उठाया था (4)
2. ससाह का दिन, प्रहार करने की क्रिया (2)
3. इस वाद्य का आविष्कार मतंग ने किया था (3)
4. ग्राम, गांव, ग्राम क्षेत्र (3)
7. किसी का नाम किसी बात आदि के लिए निश्चित कर लिया गया हो (4)
12. मुकदमा, माजरा, समस्या, घटना (3)
13. अविचल, जो हिल न सके (3)
15. समुद्र, रत्नखान (4)
16. खानाबदोश, पर्यटन प्रिय, घुमंतु (4)
17. भारत के प्रथम मुगल सम्राट (3)
19. वृथा, बेमतलब, व्यर्थ में (3)
20. सिलना, टांके लगाना, वक्षस्थल (2)

वर्ग पहेली 5982 का हल

ने	पा	न	ग	र	■	प	ना
क	ल	म	ल	■	भा	र	त
नी	■	क	त	र	■	वा	■
य	म	■	फ	त	ह	ना	मा
त	न	ख्वा	ह	■	व	■	या
■	मो	■	मी	जा	न	■	■
सा	ह	स	■	पा	■	शा	म
म	न	ही	म	न	■	ना	म

चीन के इस कमाल से हमारे विश्वविद्यालय कुछ सीखेंगे

(हरिवंश चतुर्वेदी)

अभी एक सप्ताह पहले वैश्विक स्तर पर ग्लोबल रैंकिंग में एक धमाका हुआ है। यह धमाका नीदरलैंड्स की लीडन यूनिवर्सिटी की ग्लोबल रैंकिंग ने किया है। लीडन रैंकिंग में शीर्षस्थ 10 विश्वविद्यालयों में चीन का जे-जियांग विश्वविद्यालय नंबर एक पर आ गया है और उसने हार्वर्ड को पहले से तीसरे स्थान पर धकेल दिया है। बाकी सात स्थानों पर भी चीन के कुछ शीर्षस्थ विश्वविद्यालयों का कब्जा हो गया है। आज से 25 वर्ष पूर्व, चीन के जे-जियांग यूनिवर्सिटी शीर्ष 25 में भी नहीं थी। पिछले 25 वर्षों में चीनी विश्वविद्यालयों ने जो कुछ कर दिखाया है, इससे आने वाले दशकों में उच्च शिक्षा में भारी उतार-चढ़ाव के संकेत मिलते हैं। जरा सोचिए, हमारे अपने शीर्ष विश्वविद्यालय कहां खड़े हैं? चीन में ज्यादातर विश्वविद्यालय सरकार की वित्तीय मदद से चलते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर शोध-कार्यों को निर्देशित किया जाता है। चीनी विश्वविद्यालयों ने वैश्विक पत्रिकाओं में बड़े पैमाने पर प्रकाशन किए हैं। अंग्रेजी में उच्च गुणवत्ता वाले शोध-पत्रों का वैश्विक स्तर पर अधिक उल्लेख हुआ। चीनी विश्वविद्यालयों की सफलता का राज राष्ट्रीय प्राथमिकता से जुड़ा शोध-कार्य है, जैसे सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी, बायो-टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में लक्षित अनुसंधान। इसके लिए चीन ने विदेश में शोधरत अपने नागरिकों को वापस बुलाया और वैश्विक प्रतिभाओं की भर्ती की गई। चीन का रिसर्च इकोसिस्टम और पैमाना भारत की तुलना में बहुत विशाल व मजबूत है। इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं- बड़े विश्वविद्यालय, बड़े शोध समूह, साझा प्रयोगशालाएं और टीम-आधारित शोध संस्कृति। ये विश्वविद्यालय शोध और विकास में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर कड़ी नजर बनाए रखते हैं और उद्योगों से मिलकर योजनाओं को अंजाम देते हैं।

चीनी विश्वविद्यालयों की ग्लोबल रैंकिंग में सफलता से यह कतई निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए कि हमारे विश्वविद्यालयों में इसके लिए कुछ नहीं किया जा रहा है। बजट 2025-26 में उच्च शिक्षा पर 50,067 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया, जिसमें रिसर्च मद में आंशिक खर्च रखा गया है। इसमें राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन को 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। प्रधानमंत्री रिसर्च फेलो योजना पर भी 1,660 करोड़ रुपये वार्षिक व्यय का प्रावधान रखा गया। इसी तरह, राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के अंतर्गत अनुसंधान उत्कृष्टता और वैश्विक जुड़ाव को भारतीय उच्च शिक्षा के रूपांतरण का एक स्तंभ माना गया है। पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैकल्टी और विद्यार्थी का आदान-प्रदान और पीएचडी के संयुक्त निर्देशन पर जोर दिया गया है। वर्ष 2016 में शिक्षा मंत्रालय ने एएनएआई आरएफ रैंकिंग शुरू की थी, जिससे पिछले एक दशक में शोध और विकास के क्षेत्र में उत्साहवर्द्धक परिणाम आए हैं। इस रैंकिंग में शोध और विकास को 30 प्रतिशत वजन दिया जाता है। परंतु अभी यह स्वैच्छिक है, सिर्फ 40 प्रतिशत विश्वविद्यालय और 15 प्रतिशत कॉलेज ही इसमें भाग ले रहे हैं।

हालांकि, अनुसंधान पर अधिक कोष आवंटित किए जा रहे हैं, किन्तु वैश्विक प्रतिस्पर्धा और शोध-आधारित रैंकिंग के लिए यह नाकाफी है। भारतीय विश्वविद्यालयों को ग्लोबल रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन के लिए सरकार से वित्तीय समर्थन की प्रबल जरूरत होगी। (लेखक महानिदेशक, आईआईएलएमबीएस है)। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आज का राशिफल

मेष
आज आपको राजनीतिक क्षेत्र में सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति उदासीन न रहें। वाणी पर संयम रखें। जीविका के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। काम की अधिकता के चलते पारिवारिक उपेक्षा न करें। किसी भी विवाद में उलझना ठीक नहीं। विरोधी परास्त होंगे।

वृष
आज का दिन अशुभ योग से मन में तनाव, दुख, चिंता और मानसिक अशांति हो सकती है। इसके बाद भी आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शारीरिक व मानसिक क्लेश मिल सकता है। परीक्षा की दिशा में किया गया श्रम सार्थक होगा। विरोधी परास्त होंगे।

मिथुन
आज आपके पराक्रम की वृद्धि कर रहा है। धन ऐश्वर्य वृद्धि से शत्रु ईर्ष्या करेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। रुका हुआ कार्य संपन्न होगा। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

कर्क
आज किसी आंतरिक विरोध या टकराव को जन्म दे सकता है। इस दौरान व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। विरोधी परास्त होंगे।

सिंह
आज का दिन अभीष्ट सिद्धि कारक है। ऐसे में उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या
आज आप कुछ विशेष कर दिखाने की उधेड़बुन में रहेंगे। आर्थिक दिशा में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम बरतें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

तुला
आज आपके पुरुषार्थ और पराक्रम की वृद्धि करेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। खान-पान पर संयम रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। झगड़ा विवाद से बचें।

वृश्चिक
आज पुराने रोग ऋण से छुटकारा दिलाएगा। व्यावसायिक दिशा में सफलता मिलेगी। खान-पान में संयम रखें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। रोजी रोजगार में सफलता मिलेगी।

धनु
आज गुप्त शत्रु, ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहें। आर्थिक दिशा में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम बरतें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मकर
आज का दिन विवेकपूर्ण कार्य संपादन, रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिल सकता है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कुंभ
आज राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कुंभ का चन्द्रमा निकट व दूर की लाभकारी यात्रा का प्रसंग प्रबल करेगा।

मीन
आज पुराने झगड़े झंझटों से मुक्ति मिलेगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके स्वभाव व वर्चस्व में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा। मैत्री संबंध मधुर होंगे।

इंडिगो को बहुत भारी पड़ी फ्लाइट्स में गड़बड़ी

प्रॉफिट 78 प्रतिशत गिरा, सीनियर वाइस-प्रेजिडेंट की छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिसंबर में खत्म हुई तीसरी तिमाही में इंडिगो एयरलाइन का मुनाफा 78 प्रतिशत गिरकर 549.1 करोड़ रुपये पर आ गया। इस गिरावट की बड़ी वजह उड़ानों में हुई भारी गड़बड़ी और देश में लागू हुए नए लेबर कोड को माना जा रहा है। पिछले साल इसी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में इंडिगो को 2,448.8 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था, जो अब घटकर 549.1 करोड़ रुपये रह गया है।

इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की कुल आय चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बढ़कर 24,540.6 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 22,992.8 करोड़ रुपये थी। इंडिगो को दिसंबर महीने की शुरुआत में व्यापक स्तर पर परिचालन व्यवधानों का सामना करना पड़ा था। इसके बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम को 10 फरवरी तक 10

प्रतिशत तक घटा दिया था। वकील ने यह भी कहा कि सबसे बुरी तरह प्रभावित उड़ानों के लिए 10,000 रुपये के वाउचर की पेशकश की जा रही है और यात्रियों के लिए मुआवजे का दावा करने के लिए एक वेबसाइट स्थापित की गई है। कोर्ट ने कंपनी को दो हफ्ते के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया। डीजीसीए के मुताबिक 3 से 5 दिसंबर 2025 के बीच 2,507 उड़ानें रद्द की गईं और 1,852 उड़ानों में देरी हुई। इससे देश भर के हवाई अड्डों पर तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने बताया कि संकट के बाद अधिकारियों द्वारा कई कदम उठाए गए थे। उन्होंने बताया कि एयरलाइन के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष को सेवा से बर्खास्त करने का आदेश दिया गया।

रिफंड की प्रक्रिया

इस बीच दिल्ली उच्च न्यायालय ने इंडिगो को पिछले साल दिसंबर में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने के कारण प्रभावित यात्रियों को रद्द टिकटों के लिए धन वापसी और मुआवजे के भुगतान के संबंध में एक हलफनामा दाखिल करने को कहा है। कंपनी के वकील ने मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ को बताया कि रद्द की गई उड़ानों के लिए रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और नागरिक उड्डयन नियमों के अनुसार उड़ानें रद्द होने पर मुआवजे की भी पेशकश की जा रही है। और कंपनी पर 22 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। इसके अलावा, बेहतर अनुपालन के लिए 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी मांगी गई और एयरलाइन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों, जैसे सीईओ और सीओओ को चेतावनी दी गई। मामले की अगली सुनवाई 25 फरवरी को होगी।

बुनियादी ढांचा सुधारों पर देना होगा जोर, बजट में इन्फ्रा खर्च को दोगुना कर सकती है सरकार

खर्च बढ़ाने से न सिर्फ लोगों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक चुनौतियों, टैरिफ संकट और कई देशों में तनाव के बीच सरकार अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाकर 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए 2026-27 के बजट में बुनियादी ढांचा (इन्फ्रा) परियोजनाओं पर खर्च को दोगुना कर सकती है। खर्च बढ़ाने से न सिर्फ लोगों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, बल्कि कमाई और खर्च में भी इजाफा होगा।

लॉजिस्टिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल (एलएससी) का कहना है कि भारत को वैश्विक आर्थिक पावरहाउस के रूप में स्थापित करने के सपने को साकार करने के लिए बुनियादी ढांचा सुधारों और अलग-अलग क्षेत्रों में आवंटन बढ़ाने की जरूरत है। उनका मानना है कि पिछले साल राज्यों को

ब्याज-मुक्त कर्ज के लिए 1.50 लाख करोड़ रुपये के आवंटन और हाईवे, शहरी परिवहन एवं स्मार्ट शहरों में ऐतिहासिक निवेश के आधार पर सरकार बजट में इन्फ्रा परियोजनाओं पर खर्च को दोगुना कर तीन लाख करोड़ कर सकती है। एलएससी के सीईओ रविकांत यमार्थी ने कहा, लॉजिस्टिक्स क्षेत्र जैसे-जैसे भारत की आर्थिक गति का इंजन बन रहा है, बजट-2026 आर्थिक वृद्धि दर बढ़ाने, रोजगार के अवसर सृजित करने और आत्मनिर्भर भारत में नए बेंचमार्क स्थापित करने का एक निर्णायक अवसर देता है। हाईवे, रेलवे और लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर में वर्षों के बड़े निवेश के बाद बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर आवंटन को दोगुना करने की संभावना से आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने और निवेश आकर्षित करने को बढ़ावा मिल सकता है।

इन्फ्रा के दम पर आएगी खपत की अगली लहर

संजय घोडावत ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्रेणिक घोडावत ने कहा, इन्फ्रा के दम पर ही देश में खपत की अगली लहर लाई जा सकती है। इसके लिए मॉडर्न वेयरहाउसिंग, कोल्ड-चेन फैसिलिटी और लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर जैसे खुदरा केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ाना होगा। वर्टेक्स ग्रुप के संस्थापक गगन अरोड़ा ने कहा, उम्मीद है कि सरकार विश्वस्तरीय डाटा सेंटर में बड़े निवेश, इन सुविधाओं के लिए किफायती बिजली टैरिफ, अत्याधुनिक कंप्यूटिंग नेटवर्क और एआई हार्डवेयर बनाने वाली कंपनियों को टैक्स में राहत दे सकती है।

पैसों की बारिश कर रही क्रिप्टोकरेंसी, कीमत 12 से कम

1 लाख के बना दिए 8.60 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में भी गुरुवार को रौनक लौट आई। शाम करीब 4 बजे क्रिप्टोमार्केट कैप पिछले 24 घंटे में 1 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 3.04 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गया। पिछले कुछ समय से क्रिप्टो मार्केट में बड़ी उथल-पुथल देखी जा रही थी। इसी बीच कुछ क्रिप्टो ऐसी भी रहीं जिन्होंने निवेशकों पर पैसों

की बारिश कर दी। इन्हीं में एक क्रिप्टो सर्ज भी है। इसने एक साल में निवेशकों को करोड़पति बना दिया है। सर्ज में गुरुवार को तेजी देखी गई। शाम 4 बजे यह क्रिप्टो पिछले 24 घंटे में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 0.1295 डॉलर (करीब 11.87 रुपये) पर कारोबार कर रही थी। इसने एक साल में निवेशकों को 86000 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। अगर आपने इसमें एक साल पहले एक लाख रुपये निवेश किए होते तो वह रकम बढ़कर आज 8.60 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी होती। बाकी क्रिप्टो का क्या हाल गुरुवार को बिटकॉइन समेत कई बड़ी क्रिप्टो का मिला जुला प्रदर्शन रहा। बिटकॉइन में 24 घंटे में करीब 1 फीसदी की तेजी आई। इस तेजी के साथ यह 90 हजार डॉलर पर कारोबार रही है। वहीं इथेरियम में 1.27 प्रतिशत, बाइनेंस और रिपल दोनों में करीब 2.50 प्रतिशत और ट्रॉन में करीब 1 फीसदी की तेजी आई है। डॉगकॉइन में भी डेढ़ फीसदी से ज्यादा की तेजी रही। वहीं पाई नेटवर्क में भी 2 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया।

7 दिन में 250 प्रतिशत रिटर्न

इसने 7 दिनों में निवेशकों की रकम को तीन गुने से ज्यादा कर दिया है। 7 दिन पहले सर्ज क्रिप्टो की कीमत 0.03686 डॉलर (करीब 3.38 रुपये) थी। अब यह क्रिप्टो 0.1295 डॉलर पर कारोबार कर रही है। ऐसे में इसका 7 दिन का रिटर्न 250 फीसदी रहा है। यानी इसने 7 दिनों में एक लाख की रकम को 3.50 लाख रुपये में बदल दिया है।

चांदी और ईटीएफ की गिरावट में छह गुना का अंतर

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रीनलैंड के मुद्दे पर ट्रंप की नरम पड़ती बोली से गुरुवार सुबह को चांदी के बाजार में जो हुआ, उसने कई

निवेशकों को हैरान कर दिया। एमसीएक्स पर चांदी भले ही करीब 4 प्रतिशत फिसली हो, लेकिन चांदी के ईटीएफ में गिरावट को भूचाल कहना सही होगा। किसी ईटीएफ में 20 प्रतिशत तो किसी में 24 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली। सवाल यही है कि जब एमसीएक्स में चांदी इतनी नहीं टूटी, तो ईटीएफ में इतनी बड़ी गिरावट क्यों आई एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड यानी ईटीएफ निवेश के ऐसे तरीके हैं, जिनमें एकत्रित धनराशि को कमोडिटी, स्टॉक, बॉन्ड आदि जैसी विभिन्न परिसंपत्ति श्रेणियों में निवेश किया जाता है। सिल्वर ईटीएफ अपनी धनराशि को भौतिक चांदी या चांदी से संबंधित उपकरणों में निवेश करते हैं। सिल्वर ईटीएफ का नेट एसेट वैल्यू सीधे चांदी की कीमत पर निर्भर करता है। जहां एमसीएक्स सिल्वर 4 प्रतिशत फिसली, वहीं सिल्वर ईटीएफ में गिरावट कहीं ज्यादा तेज रही। टाटा सिल्वर ईटीएफ करीब 24 प्रतिशत टूटकर 25.56 पर आ गया।

सिल्वर एमसीएक्स पर 4 प्रतिशत की गिरावट

22 जनवरी को एमसीएक्स पर चांदी वायदा भाव करीब 4 प्रतिशत टूटकर 3,05,753 प्रति किलो तक आ गए। यह गिरावट ऑल टाइम हाई से करीब 30,000 रुपये है। इसकी सबसे बड़ी वजह वैश्विक तनाव में नरमी मानी जा रही है। अमेरिका और ग्रीनलैंड को लेकर टकराव की आशंका कम होने से सेफ-हेवन डिमांड घटी और मजबूत डॉलर ने भी चांदी पर दबाव डाला।

भारत ने बदल दिए दोस्त

● रूस नहीं अब दूसरे देशों से ज्यादा आ रहा तेल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रूस पर लगाए गए बैन के कारण रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस कमी को पूरा करने के लिए भारतीय रिफाइनरियां अब दूसरे देशों से तेल खरीदने पर ध्यान दे रही हैं। वे अपनी तेल खरीद की रणनीति को तेजी से बदल रही हैं ताकि रूसी तेल की कम होती उपलब्धता की भरपाई की जा सके। भारत के कच्चे तेल आयात के पैटर्न में आए बदलावों का पूरा आकलन महीने के अंत तक ही हो पाएगा। लेकिन शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि रूसी तेल की डिलीवरी कम होने और अमेरिका के बढ़ते दबाव के कारण अनिश्चितता बढ़ने के साथ, रिफाइनरियां अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए नए या पहले कम तेल खरीदने वाले देशों से ज्यादा खरीद कर रही हैं। यह दक्षिण अमेरिकी देश महत्वपूर्ण तेल खोजों और उत्पादन में तेज वृद्धि के कारण तेजी से एक प्रमुख तेल उत्पादक राष्ट्र के रूप में उभर रहा है।

अभी कैसा रहा तेल का आयात

जनवरी के पहले पखवाड़े में सिर्फ इंडियन ऑयल, नायरा एनर्जी और भारत पेट्रोलियम ने ही रूसी तेल खरीदा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस अवधि में रूसी तेल नहीं खरीदा। जबकि यह कंपनी पिछले साल रूसी कच्चे तेल की सबसे बड़ी खरीदार थी। इसी तरह, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, एचपीएल-मित्तल एनर्जी और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स ने भी रूसी तेल नहीं खरीदा।
साथ ही, घरेलू ईंधन की मजबूत मांग को पूरा करने के लिए जनवरी में सऊदी अरब से अपनी खरीद लगभग एक-तिहाई बढ़ा दी है। जैसे-जैसे रूस से तेल का प्रवाह कम हो रहा है, भारतीय रिफाइनरियां आपूर्ति की कमी को पूरा करने के लिए गुयाना की ओर तेजी से रुख कर रही हैं। वैश्विक एनालिटिक्स फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार महीने के पहले पखवाड़े के दौरान रिफाइनरियों ने गुयाना से लगभग 2,97,000 बैरल प्रतिदिन तेल खरीदा।

क्या है भारत का प्लान

रूस अभी भी भारत का कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। जनवरी के पहले पखवाड़े में रूस से लगभग 1.179 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल आया। हालांकि, यह मात्रा पिछले महीने की तुलना में लगभग 3 प्रतिशत कम था और 2025 के औसत से लगभग 30 प्रतिशत कम था। विविधता आ रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक दो साल के अंतराल के बाद भारत की रिफाइनरियों ने गुयाना से अपना पहला शिपमेंट लिया है।

सेंसर टावर की रिपोर्ट

भारत एप डाउनलोड में दुनिया में सबसे आगे

● माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म ने भी बढ़ाई गति

नई दिल्ली, एजेंसी। जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने की तेज रफ्तार के चलते भारत एप डाउनलोड के मामले में दुनिया का अग्रणी देश बन गया है। आलम यह है कि देश में 2025 में 25.5 अरब एप डाउनलोड हुए, जो वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा है। खास बात है कि भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जहां एप डाउनलोड में सालाना वृद्धि देखने को मिली है।

हालांकि, डाउनलोड की यह संख्या 2023 के 25.9 अरब से कम, लेकिन 2024 के 24.6 अरब की तुलना में ज्यादा है।

सेंसर टावर की स्टेट ऑफ मोबाइल 2026 रिपोर्ट में कहा गया है कि एप डाउनलोड के साथ यूजर्स के जुड़ाव में भी वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीयों ने बीते साल इन एप्स पर 1.23 लाख करोड़ घंटे खर्च कर डाले, जो 2024 के 1.13 लाख करोड़ घंटे की तुलना में ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जेन एआई और माइक्रोड्रामा एप्स (स्मार्टफोन पर एक-दो मिनट के एपिसोड वाले छोटे वीडियो एप) के उदय ने मिलकर भारत में डाउनलोड एवं इंगेजमेंट ट्रेंड्स को बदल दिया। इसकी बदौलत बीते साल भारतीयों ने जेन एआई एप्स को 60.2 करोड़ बार डाउनलोड किया, जो 2024 के 19.8 करोड़ की तुलना में तीन गुना अधिक है।

29 की उम्र में था 6.5 करोड़ का कर्ज

फिर शुरू किया ऐसा काम कि बरसने लगा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी।बिजनेस में कामयाबी बाहर से बहुत अच्छी लगती है। लेकिन वह शख्स उस मुकाम तक कैसे पहुंचा और किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, यह वही जानता है। बहुत से लोग सोचते हैं कि सफल बिजनेसमैन की शुरुआत आसान रही होगी, उनके पास खूब पैसा होगा या बड़े लोगों से जान-पहचान होगी। लेकिन असल कहानी अक्सर इससे बिल्कुल अलग होती है। मनीष चौधरी की सफलता की कहानी भी ऐसी ही एक मिसाल है।

मनीष चौधरी डब्ल्यूओडब्ल्यू स्किन साइंस के को-फाउंडर हैं। यह भारत के सबसे भरोसेमंद डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (पर्सनल केयर ब्रांड्स में से एक है। उनकी यात्रा रातोंरात मिली सफलता की कहानी नहीं है। यह सीखने, प्रयोग करने, असफल होने, खुद को बदलने और धीरे-धीरे एक ऐसा ब्रांड बनाने की कहानी है जो आज दुनिया भर में लाखों ग्राहकों की सेवा करता

है। एक समय उनके ऊपर करोड़ों रुपये का कर्ज था, लेकिन आज सालाना कमाई करीब 300 करोड़ रुपये है। कैसे हुई डब्ल्यूओडब्ल्यू की शुरुआत

मनीष ने एक बहुत ही आम लेकिन अनदेखी समस्या को देखा। भारतीय ग्राहक विदेशी पर्सनल-केयर ब्रांड्स के लिए बहुत ज्यादा पैसे दे रहे थे। वे ऐसे प्रोडक्ट्स इस्तेमाल कर रहे थे जिनमें हानिकारक केमिकल्स थे और जिन पर भरोसा करना मुश्किल था। वहीं, दुनिया भर में नेचुरल और इंग्रेडिएंट-बेस्ड ब्यूटी प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ रही थी, लेकिन भारत में ऐसे मजबूत देसी ब्रांड्स की कमी थी। यहीं से उन्होंने डब्ल्यूओडब्ल्यू की शुरुआत की।

29 की उम्र में दिवालिया

मनीष 29 साल की उम्र में दिवालिया हो गए थे। उन पर 6.5 करोड़ रुपये का भारी कर्ज था। एक असफल बिजनेस की वजह से उन्हें पैसों का भारी दबाव, कानूनी झंझट और 30 साल की उम्र से पहले ही सब कुछ खत्म होने का डर सता रहा था। कई लोगों के लिए यह अंत हो सकता था, लेकिन मनीष के लिए यह एक नई शुरुआत थी। उनके दिल कारोबार की ऐसी आग थी जिसमें वह तप कर और मजबूत हो गए थे। कुछ ही सालों में उन्होंने भारत के सबसे बड़े ब्यूटी ब्रांड्स में से एक डब्ल्यूओडब्ल्यू को खड़ा कर दिया। डब्ल्यूओडब्ल्यू स्किन साइंस की शुरुआत साल 2014 में बेंगलुरु से हुई थी। इसे बिना किसी बाहरी फंडिंग के शुरू किया गया था। यानी मनीष ने इसे पूरी तरह से खुद के पैसों से शुरू किया गया था।

छोटे बिजनेस के साथ प्रयोग

कॉर्पोरेट नौकरियों में फुल-टाइम काम करते हुए मनीष चौधरी ने छोटे बिजनेस आइडियाज के साथ प्रयोग करना शुरू कर दिया। उन्होंने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए ऑनलाइन प्रोडक्ट बेचना शुरू किया। इन शुरुआती प्रयोगों का मकसद बड़े मुनाफे कमाना नहीं बल्कि चीजों को सीखना था। उन्होंने सीखा कि ऑनलाइन मार्केटप्लेस कैसे काम करते हैं, ग्राहक कैसा व्यवहार करते हैं और प्राइसिंग और लॉजिस्टिक्स बिक्री को कैसे प्रभावित करते हैं। उन्होंने ग्राहक समीक्षाओं और फीडबैक के महत्व को भी समझा।

पीएफसी बॉण्ड में मिलेगा एफडी से बेहतर रिटर्न बीच में बेचकर भी निकाल सकते हैं पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। जो निवेशक सोने और शेयर बाजार से हटकर सुरक्षित और फायदेमंद निवेश की तलाश में हैं, वे पब्लिक सेक्टर कंपनी पावर फाइनैंस कॉर्पोरेशन के जीरो कूपन बॉण्ड की ओर रुख कर सकते हैं। ये बॉण्ड 10 साल और 1 महीने की अवधि के लिए हैं। पीएफसीके इस पब्लिक इश्यू में निवेश करने की आखिरी तारीख 30 जनवरी है। ये बॉन्ड शेयर बाजार (स्टॉक एक्सचेंज) पर लिस्ट होंगे। इसका मतलब है कि जरूरत पड़ने पर निवेशक इन्हें बीच में भी बेचकर पैसा निकाल सकेंगे। आम निवेशक इन बॉण्ड को 50,780 रुपये में खरीद सकते हैं।

एफडी से बेहतर रिटर्न

जानकारों का कहना है कि ये बॉण्ड बैंक एफडी के मुकाबले कहीं बेहतर रिटर्न दे रहे हैं। उदाहरण के लिए, एसबीआई की 10 साल की एफडी पर 6.05 प्रतिशत ब्याज मिलता है। लेकिन ऊंचे टैक्स स्लैब वालों के लिए टैक्स कटने के बाद यह सिर्फ 4.24 प्रतिशत ही रह जाता है। इसी तरह टैक्स-फ्री बॉण्ड पर भी मुनाफा 5.1 प्रतिशत से 5.15 प्रतिशत के बीच ही है।

भारत की अर्थव्यवस्था के लिए टैरिफ से ज्यादा खतरनाक है प्रदूषण: गीता

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से भारत पर टैरिफ लगाया है, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए तरह-तरह की बातें होने लगी हैं। अब आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने भी भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी बात रखी है। उनकी नजर में ग्लोबल टैरिफ भारत की अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक नहीं है। गीता गोपीनाथ का कहना है कि भारत के आर्थिक विकास के लिए टैरिफ से कहीं ज्यादा खतरनाक प्रदूषण है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा

वरिष्ठ मंडल अभियंता-समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारो से निम्न लिखित कार्यो हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यो के सामने दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (Rs.)	अग्रिम राशि (Rs.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1	"सीनियर डीईएन-IV/यूएमबी के अधीन एडीईएन/एसआईआर एवं आरपीजे के सेक्शन में स्वीकृत टीटीआर कार्यो के संबंध में एसबीसीएम/एफआरएम द्वारा डीप स्क्रीनिंग तथा अन्य ट्रैक कार्यो के अंतर्गत प्री एवं पोस्ट अटेंशन कार्य।	3,26,69,779	3,13,400	12 महीने	17.02.2026
2	एडीईएन/आरपीजे के सेक्शन में वरिष्ठ डीईएन-IV/अंबाला (UMB) के अधीन 52 किग्रा/60 किग्रा रेलों का सिंगल शॉट कूसिबल एसं ऑटो थिम्बल द्वारा एल्युमिनो-थर्मिक (एटी) वेल्डिंग कार्य।	92,55,916	1,85,100	08 महीने	17.02.2026

नोटः-
1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी संबंधित डॉक्यूमेंन्टों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। 2. अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग/गेटवे पेमेन्ट के द्वारा ही स्वीकार्य होगें।
3. निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लोग ऑन करें।
4. ठेकेदार को ई-निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा।
5. जी.एस.टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी।

खुली निविदा संख्या 51-अम्बाला/2025-26 दिनांक : 23.01.2026 260/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

महिलाओं को सबसे ज्यादा क्यों होता है

सर्वाइकल कैंसर का खतरा?

कैंसर एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है। यह कई प्रकार के होते हैं। इन्हीं में से एक है सर्वाइकल कैंसर। यह महिलाओं में होने वाले सबसे गंभीर कैंसरों में से एक है। ब्रेस्ट कैंसर के बाद भारत में इस बीमारी से सबसे ज्यादा महिलाएं पीड़ित है। यह महिलाओं की मौत का एक प्रमुख कारण माना जाता है। इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल जनवरी के महीने को सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ के तौर पर मनाया जाता है। सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय ग्रीवा में होता है। इसे गर्भाशय के मुंह का भी कैंसर कहा जाता है। महिलाओं में गर्भाशय और योनि को जोड़ने वाले हिस्से को सर्विक्स कहते हैं। इस वजह से इसमें होने वाले कैंसर को सर्वाइकल कैंसर कहा जाता है। यह कैंसर एचपीवी यानी कि ह्यूमन पैपिल्लोमा वायरस के कारण होता है ।एचपीवी शरीर में अंदर प्रवेश करके यूटरस के अंदरूनी हिस्से को नुकसान पहुंचता है और धीरे-धीरे कैंसर का रूप ले लेता है। दरअसल इसके लक्षण काफी आम होते हैं जिसकी वजह से अक्सर महिलाएं से नजरअंदाज कर देती हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक 30 की उम्र की महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर खतरा ज्यादा रहता है। सर्वाइकल कैंसर होने के पीछे कई कारण जिम्मेदार होते हैं, जिसमें से है एक से अधिक साथी के साथ संबंध बनाना, खराब हाइजीन, बर्थ कंट्रोल पिल्स का इस्तेमाल करना, स्मोकिंग और परिवार का इतिहास इस कैंसर के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

सर्वाइकल कैंसर के बारे में ऐसे चलता है पता

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण वैसे दिखाई नहीं देते हैं,लेकिन फिर भी आपको शक है तो इसलिए इसकी स्क्रीनिंग टेस्ट होती है। पैप स्मीयर टेस्ट सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट होता है। इसमें गर्भाशय ग्रीवा के ऊतकों का नमूना लिया जाता है। अगर इसमें असामान्य कोशिकाएं मिलती हैं तो एचपीवी टेस्ट की जाती है ।इन जांचों से सर्वाइकल कैंसर का पता लगता है। इसके बाद इलाज शुरू किया जाता है।

कितने साल चलता है

हार्ट का कोरोनरी स्टेंट

कोरोनरी स्टेंट एक तकनीकी उपाय है जिसका उपयोग धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज) को खोलने के लिए किया जाता है ताकि रक्त स्वतंत्रता से हृदय में पहुंच सके। इसका उपयोग हृदय संबंधित समस्याओं, जैसे कि दिल का दौरा, कोरोनरी आर्टरी रोग, या अन्य धमनीक बीमारियों के इलाज में किया जाता है। कोरोनरी स्टेंट जिस तकनीकी साधन का उपयोग किया जाता है, वह साधन धातु से बना होता है और धातु की दरबारी विशेषता और रक्त की प्रवाह की गति के आधार पर इसकी जीवनकाल की अधिकतम विशेषता को निर्धारित करती है। कई प्रकार के स्टेंट्स उपलब्ध हैं, जिनमें शास्त्रीय (बेयर-मेटलिक) और ड्रग-एलूटिंग स्टेंट्स शामिल हैं। शास्त्रीय स्टेंट्स का जीवनकाल आमतौर पर कुछ साल से लेकर कई दशक तक हो सकता है, जबकि ड्रग-एलूटिंग स्टेंट्स में शास्त्रीय स्टेंट्स के मुकाबले ड्रगों का उपयोग किया जाता है जो आराम से विघटित होते हैं और उनका प्रभाव अधिक समय तक बना रहता है। यह निर्भर करता है कि रोगी का स्वास्थ्य, सामान्य शारीरिक स्थिति, और स्थानांतरण का उपयोग किस तकनीकी साधन पर किया गया है। आपके चिकित्सक से यह सवाल करना हमेशा उचित होता है।

अजवाइन है सबसे सस्ता फैट बर्नर

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं या कब्ज की समस्या से परेशान हैं, तो आपके लिए अजवाइन का सेवन फायदेमंद है। इसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो आपकी कई शारीरिक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। क्या आप काफी समय से वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं और नहीं कर पा रहे हैं या पेट की समस्या से परेशान है, तो ऐसी कई समस्याओं का उपाय, आपके किचन में रखा यह एक मसाला कर सकता है। हम बात कर हैं अजवाइन की, यह एक सबसे सस्ता और फायदेमंद मसाला होने के साथ एक अच्छा फैट बर्नर भी है।

अजवाइन का इस्तेमाल भारतीय रसोई में काफी सालों से किया जा रहा है। इसके सेवन से आप आसानी से वजन कर सकते हैं ।यह कई स्वास्थ्य संबंधित फायदे भी देती है, जैसे कि पेट दर्द, गैस और पेट के कई रोगों को भी यह दूर करने में मदद करती है। जिन लोगों को गठिया है, उसके उपचार में भी यह काफी लाभदायक साबित हो सकता है। इसका उपयोग हर्बल औषधि में किया जाता है।

वेट लॉस में मदद करता है

अजवाइन में थाइमोल नामक एक तत्व होता है, जो आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है। जब आपका मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, तो नया फैट बन नहीं पता है और पुराना फैट आसानी से बर्न होता है, तो अजवाइन का सेवन इस तरह से वजन कम करने में मदद कर सकता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

अजवाइन में फाइबर, विटामिन ए और अन्य तरह के पोषण पाए जाते हैं, जो दिल के स्वास्थ्य को सुधार सकती हैं। इस पर हुए शोध में पता चला है कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल से लड़ने में काफी सहायक होती है।

दर्द निवारक है

पेट के दर्द में अजवाइन काफी काम आती है, क्योंकि इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो दर्द को कम करने में मदद करते हैं ।दर्द के अलावा यह सूजन को भी कर सकती है। अजवाइन में थाइमोल नामक तत्व होता है, जो एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

इसमें मौजूद पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में मदद कर सकता है। हाई पोटैशियम डाइट से उच्च ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

पाचन स्वास्थ्य के लिए

अजवाइन पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है। अगर आपको गैस, एसिडिटी, और कब्ज की समस्या बनी रहती है, तो आपको इसका रोजाना सेवन जरूरी करना चाहिए।

ठंड में हार्ट के मरीज बरतें ये सावधानियां

ठंड के मौसम में हमारे शरीर में कई तरह के बदलाव आने लगते हैं। सर्दी के कारण जहां सर्दी और खांसी की समस्या बढ़ जाती है। वहीं इस मौसम में दिल की बीमारी को खतरा भी काफी बढ़ जाता है। दरअसल सर्द हवाओं के चलते रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती है जिसके कारण ब्लड का फ्लो सही से नहीं हो पता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है। दिल पर दबाव पड़ता है और हार्ट अटैक का कारण बनता है। वहीं इस मौसम में हमारी लाइफस्टाइल भी काफी ज्यादा बदल जाती है। इसके कारण भी हार्ट अटैक का खतरा बना रहता है। अगर आप हार्ट के पेशेंट हैं और खुद को सर्दियों में सुरक्षित रखना चाहते हैं तो आप इन बातों को जरूर ध्यान में रखें।

सर्दियों में हार्ट के मरीज ऐसे बरतें सावधानियां

- सर्दियों के मौसम में आप अनहेल्दी फूड खाने से बचें। अगर आप ठंड के दिनों में ज्यादा तला भुना या फाइड चीज खाते हैं,तो यह आपके हार्ट को नुकसान पहुंचा सकता है। ब्लड फ्लो वैसे ही कम हो जाता है और ऑयली चीज खाने से ब्लड वेसल में फैट जमा हो जाएगा तो ब्लड फ्लो पूरी तरह से बाधित हो सकता है। यह हार्ट हेल्थ के मरीजों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचता है।
- हार्ट के मरीजों को एक्सरसाइज रेगुलर बेसिस पर करना जरूरी होता है। सर्दियों में लोग अक्सर ज्यादा खाते हैं और कंफर्टेबल फूड खाने के आदी हो जाते हैं। ऐसे में वजन बढ़ने का रिस्क बढ़ जाता है और इससे हार्ट पर ज्यादा दबाव पड़ने लगता है। इससे बचने का बेहतर उपाय यह है कि आप बहुत ज्यादा एक्सरसाइज नहीं भी कर पाए तो हल्की-फुल्की एक्सरसाइज हर रोज करें। इससे आप एक्टिव रहेंगे और हार्ट भी ठीक से फंक्शन करेगा।
- सर्दियों के मौसम में अक्सर धूप की कमी के चलते मेंटल हेल्थ खराब हो जाता है। अक्सर लोग डिप्रेशन और स्ट्रेस के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में आप कोशिश करें कि तनाव कम लें, स्ट्रेस मैनेज करें। क्योंकि स्ट्रेस की वजह से बीपी बढ़ सकता है और यह हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।
- हार्ट को हेल्दी रखने के लिए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखना जरूरी होता है। ऐसे में सर्दियों में जितना कम हो सके उतना नमक का सेवन करें, शरीर में नमक पानी को रोकता है और हार्ट को इस लिक्विड को पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।
- अक्सर लोग सर्दियों में धूम्रपान ज्यादा करते हैं। इससे भी हार्ट अटैक की आशंका ज्यादा होती है। इससे धमनियों में प्लाक जमा होता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी घटता है। कोशिश करें कि धूम्रपान ना करें

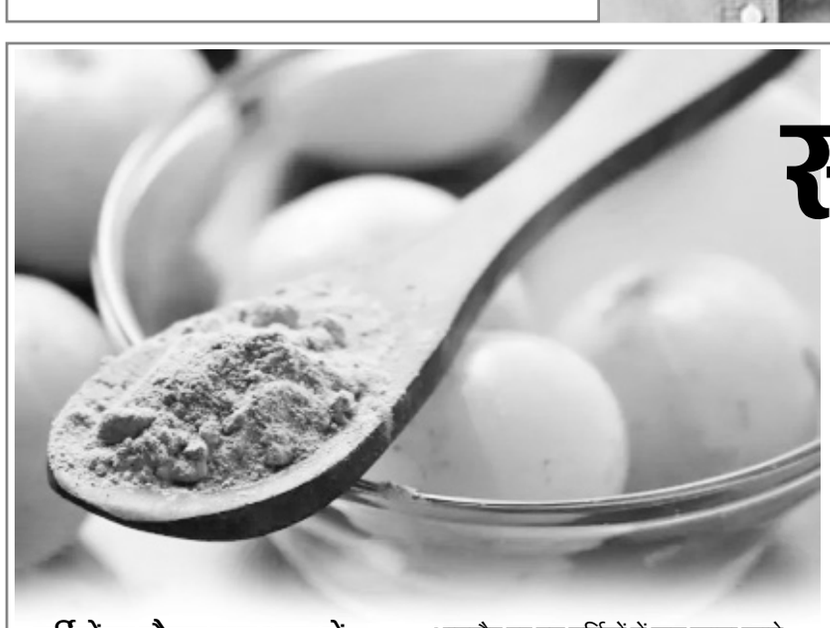

सर्दी में सेहत ना पड़ जाए ठंडी

सर्दियों का मौसम उत्तर भारत में दस्तक दे चुका है। कहते हैं कि सर्दी का मौसम सेहत के नजरिए से बेहतर होता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं इस मौसम में आपकी डाइट कैसी होनी चाहिए ताकि आप भी सर्दी में अपनी सेहत बेहतर बना सकें और सर्दियों को एंजॉय कर सकें।

आमतौर पर हम गर्मियों में कम खाना खाते हैं तो उसकी तुलना में सर्दियों में भूख में भी इजाफा होता है। सर्दियों में शरीर से मेहनत भी कम होती है। खासकर इस मौसम में सभी को अपनी हेल्थ का ख्याल रखना काफी जरूरी है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में किस प्रकार से अपना ख्याल रखा जाता है और किन-किन सावधानियों को ध्यान में रखा जाता है। अपनी डाइट का इस तरह रखें खास ख्याल सर्दियों के मौसम में खानपान का खास ख्याल रखना काफी ज्यादा जरूरी हो जाता है। क्योंकि इस मौसम में शरीर में कई प्रकार की बीमारियां भी लगने का खतरा बना रहता है। इस बारे में डॉक्टर बताते हैं कि सर्दियां आते ही सिट्रस या विटामिन सी युक्त पदार्थों के सेवन पर ध्यान दें। इसके लिए संतरा, नींबू, आंवला आदि में से कोई एक दिन में जरूर खाएं। इससे इम्युनिटी बढ़ाने में मदद मिलेगी और सर्दी खांसी आदि से भी बचाव होगा। विटामिन डी के सेवन का भी ध्यान रखें व धूप में भी वक्त बिताएं। इसके अलावा भोजन में हल्दी, अदरक व लहसून की मात्रा जोड़ें। इसके लिए व्यंजनों में पिसा अदरक जोड़ा जा सकता है और सलाद में ऊपर से कद्दूकस करके भी डाला जा सकता है।

वजन कम करने में मदद करते हैं ये फूड

वहीं एक्सपर्ट का कहना है कि अगर आप साबुत अनाज, दलिया आदि का सेवन करते हैं तो ये वजन कम करने में भी असरदार हैं और दिल के लिए भी फायदेमंद साबित होते हैं। इस मौसम में सब्जियों और फलों का भरपूर सेवन करना चाहिए। इस मौसम में फाइड और सैचुरेटेड फूड्स का उपयोग नहीं करना चाहिए।

खाने के आधे घंटे बाद पीएं पानी

वैसे तो गर्मियों की तुलना में सर्दियों में कम पानी पिया जाता है, लेकिन इस मौसम में आवश्यक मात्रा में पानी पीना चाहिए। याद रखें कि पानी खाना खाने के तुरंत बाद ना लेकर आधे घंटे के अंतराल पर पीएं। वहीं, अगर आप इस मौसम में हर्बल-टी पीते हैं, तो इससे एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का लेवल भी डाउन होता है।

एक्सरसाइज करना है जरूरी

अगर आप अपनी बॉडी फिट रखना चाहते हैं, तो इसके लिए सर्दियों से अच्छा मौसम और कोई नहीं हो सकता है। इस दौरान आप अपने वजन को कंट्रोल करें। बॉडी को फिट रखने के लिए रेगुलर एक्सरसाइज कीजिए। अगर आप जिम में जाकर एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे हैं तो रोजाना वॉक पर जाएं। चलने से शरीर में गर्मी पैदा होती है और इससे खून का दौरा बढ़ता है। सर्दियों के मौसम में ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करना चाहिए। इस मौसम में नमक का कम मात्रा में सेवन करना चाहिए क्योंकि अधिक नमक का सेवन करने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

नींद लें पूरी, गर्म चीजों का करें सेवन

सर्दियों के मौसम में ठंड से बचाव के लिए खुद को गर्म कपड़ों से कवर रखना चाहिए। इस दौरान पैर, सिर और कानों को खासतौर से ढककर रखना चाहिए। सर्दियों में कम से कम 6 से 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। ठंड के मौसम में शरीर को ठंड से बचाने के लिए जैसे गर्म कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता है, ठीक इसी प्रकार से गर्म चीजों का सेवन भी किया जाता है। इस दौरान स्किन सूखने लग जाती और फटने भी लगती है तो इसके लिए ऑयल या बॉडी लोशन का उपयोग कर सकते हैं।

फेफड़ों की बीमारी के लिए चुकंदर का रस फायदेमंद!

एक शोध से यह बात सामने आई है कि 12 सप्ताह तक चुकंदर का रस लेने से क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित लोगों में सुधार हुआ है। सीओपीडी एक गंभीर फेफड़ों की स्थिति है जो दुनिया भर में लगभग 400 मिलियन लोगों को प्रभावित करती है, जिसमें क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और वातस्फीति (एम्फाइजिमा) शामिल है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है और लोगों की शारीरिक गतिविधि की क्षमता गंभीर रूप से सीमित हो जाती है। इससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है ।रोपियन रेस्पिरेटरी जर्नल में प्रकाशित नए शोध में एक केंद्रित चुकंदर के रस के पूरक का परीक्षण किया गया, जिसमें चुकंदर के रस के मुकाबले नाइट्रेट की मात्रा अधिक होती है, जो दिखने और स्वाद में समान था। लेकिन, नाइट्रेट हटा दिया गया था।

इंपीरियल कॉलेज लंदन यूके के प्रोफेसर निकोलस हॉपकिंसन ने कहा, कुछ सबूत हैं कि नाइट्रेट के स्रोत के रूप में चुकंदर के रस का उपयोग एथलीटों द्वारा अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है और साथ ही रक्तचाप को देखते हुए कुछ अल्पकालिक अध्ययन भी किए गए हैं। हॉपकिंसन ने कहा, रक्त में नाइट्रेट का उच्च स्तर नाइट्रिक ऑक्साइड की उपलब्धता को बढ़ा सकता है, एक रसायन जो रक्त वाहिकाओं को आराम देने में मदद करता है। यह मांसपेशियों की कार्यक्षमता को भी बढ़ाता है यानी समान कार्य करने के लिए उन्हें कम ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। अध्ययन में सीओपीडी वाले 81 लोगों को शामिल किया गया और जिनका सिस्टोलिक रक्तचाप 130 मिलीमीटर पारा (एमएमएचजी) से अधिक था। मरीजों के रक्तचाप की निगरानी करने के साथ-साथ, शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि अध्ययन की शुरुआत और अंत में मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं। प्रतिभागियों को 12 महीने के कोर्स में नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का रस दिया गया और कई रोगियों को बिना नाइट्रेट वाला चुकंदर का रस दिया गया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि नाइट्रेट युक्त पूरक लेने वालों ने नाइट्रेट लेने वालों की तुलना में सिस्टोलिक रक्तचाप में 4.5 मिमी/एचजी की औसत कमी का अनुभव किया। नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का जूस पीने वाले मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं, इसमें भी औसतन लगभग 30 मीटर की वृद्धि हुई। प्रोफेसर हॉपकिंसन ने कहा, अध्ययन के अंत में हमने पाया कि नाइट्रेट युक्त चुकंदर का जूस पीने वाले लोगों का रक्तचाप कम था और उनकी रक्त वाहिकाएं कम कठोर हो गईं। जूस से यह बात भी सामने आई कि सीओपीडी वाले लोग छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं। यह इस क्षेत्र में अब तक के सबसे लंबी अवधि के अध्ययनों में से एक है। परिणाम बहुत आशाजनक हैं, लेकिन इसके लिए दीर्घकालिक अध्ययनों की आवश्यकता होगी।

स्वीडन में कारोलिंस्का इंस्टिट्यूट के प्रोफेसर अपोस्टोलोस बोसियोस ने कहा, सीओपीडी को ठीक नहीं किया जा सकता है, इसलिए मरीजों को इस स्थिति के साथ बेहतर जीवन जीने और उनके हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद करने की सख्त जरूरत है। हालांकि, बोसियोस ने निष्कर्षों की पुष्टि के लिए लंबी अवधि तक रोगियों का अध्ययन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

एक और वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी की दौड़ में भारत

चैंपियनशिप के लिए लगाई बोली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को हाल ही में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली थी और अब वह एक और वैश्विक टूर्नामेंट में मेजबानी हासिल करने की जुगत में है। भारत 2028 में होने वाले दो बड़े अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए प्रयास कर रहा है जिसके लिए राष्ट्रीय महासंघ ने भुवनेश्वर में विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और अहमदाबाद में विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगाई है। भारतीय

एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 2024 के अंत में विश्व एथलेटिक्स प्रमुख सेबेस्टियन को के भारत दौरे के दौरान ही अहमदाबाद में 2028 विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगा दी थी। विश्व एथलेटिक्स की टीम ने कलिंगा स्टेडियम का किया निरीक्षण

ताजा घटनाक्रम में एएफआई ने भुवनेश्वर में 2028 विश्व इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी बोली लगाई है। विश्व एथलेटिक्स की दो सदस्यीय टीम ने बुधवार को भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम परिसर में अत्याधुनिक इंडोर सुविधा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष और पूर्व एएफआई अध्यक्ष आदिल सुमरीवाला के साथ ओडिशा सरकार के अधिकारी भी मौजूद थे। विश्व एथलेटिक्स मार्च में 2028 और 2030 जूनियर विश्व चैंपियनशिप के मेजबान देशों की घोषणा करेगा। विश्व इंडोर चैंपियनशिप के मेजबान शहर की घोषणा भी इसी महीने होने की संभावना है। मालूम हो कि एएफआई ने 2028 एशियन इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी भुवनेश्वर को लेकर बोली लगाई है। यह इंडोर स्टेडियम मार्च में भारत की पहली राष्ट्रीय इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करने जा रहा है। अहमदाबाद 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और वह 2031 विश्व (सीनियर) एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी बोली लगा रहा है।

एडम मिल्ने टी20 विश्व कप से बाहर

इस खतरनाक तेज गेंदबाज की न्यूजीलैंड टीम में एंट्री

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने एडम मिल्ने के चोटिल होने के कारण उनकी जगह तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को अपनी टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया है। मिल्ने बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण इस अहम टूर्नामेंट से बाहर हो गए। मिल्ने को यह चोट पिछले रविवार को एसए20 में

सनराइजर्स ईस्टर्न केप और एमआई केप टाउन के बीच मैच के दौरान लगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि स्कैन में इस चोट की गंभीरता सामने आई। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'जैमीसन इस समय भारत दौरे पर टीम की सफेद गेंद की टीम के साथ हैं। उन्हें टी20 विश्व कप की टीम में जोड़ा गया है जबकि पहले उन्हें भारत और श्रीलंका में फरवरी-मार्च में होने वाले टूर्नामेंट के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया था। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा कि मिल्ने भारत दौरे पर टीम का हिस्सा नहीं थे क्योंकि वह टी20 विश्व कप के लिए तैयारी में जुटे थे। उन्होंने कहा, 'हम सभी को एडम के लिए बहुत दुख हो रहा है। उन्होंने टूर्नामेंट के लिए खुद को तैयार करने में कड़ी मेहनत की थी और ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैच में वह अपनी पुरानी लय में लौटते हुए दिख रहे थे। वॉल्टर को उम्मीद है कि जैमीसन टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे जिन्होंने भारत दौरे पर न्यूजीलैंड के कम अनुभवी तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः कोरेंटिन मौटेट को हराकर

अल्काराज चौथे राउंड में

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के चौथे राउंड में जगह बना ली है। अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मुकाबले में अल्काराज ने फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट को सीधे सेटों में 6-2, 6-4, 6-1 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। दूसरे सेट में 3-0 की बढ़त के बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम गंवा दिए, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 4-4 पर अहम ब्रेक हासिल किया और दो सेट की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में उन्होंने पूरी तरह दबदबा बनाते हुए डबल ब्रेक लिया और दो घंटे पांच मिनट में मैच समाप्त कर दिया। मैच के बाद अल्काराज ने कहा, 'कोरेंटिन जैसे खिलाड़ी के खिलाफ खेलना आसान नहीं होता। आपको कभी नहीं पता कि अगला पॉइंट कैसा होगा। मैच

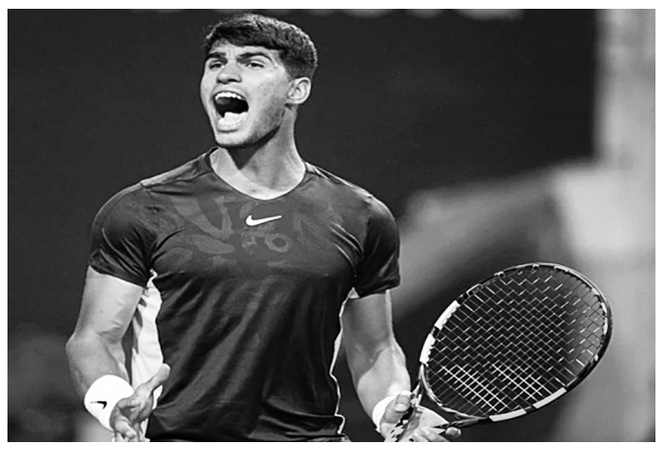

को पढ़ना मुश्किल था, लेकिन मुझे कोर्ट पर बहुत मजा आया। हम दोनों ने शानदार शॉट्स खेले और कुछ बेहतरीन पॉइंट्स बने।'

अल्काराज अब 19वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे। अब तक टूर्नामेंट में एक भी सेट न गंवाने वाले अल्काराज अगर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत लेते हैं, तो वह सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। 22 साल के अल्काराज का इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड 87-13 हो गया है। उन्होंने 100 मैचों में सर्वश्रेष्ठ मेजर रिकॉर्ड के मामले में दिग्गज ब्योर्न बोर्ग की बराबरी कर ली। स्पेन के इस खिलाड़ी ने इससे पहले मेलबर्न में दो बार क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया है। इस बार वे खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने इस मामले में कई महान खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है। राफेल नडाल और जॉन मैकेनरो ने अपने पहले 100 मेजर मैचों में 86-14 का रिकॉर्ड बनाया था, जबकि नोवाक जोकोविच 79-21 और रोजर फेडरर 80-20 के आंकड़े तक पहुंचे थे। अल्काराज के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी जैनिक सिनर ने पिछले साल विंबलडन में अपना 100वां मेजर मैच खेला था, जहां उनका रिकॉर्ड 81-19 रहा।

अदार पूनावाला ने दिखाई RCB को खरीदने में दिलचस्पी

कहा- मजबूत बोली लगाने की तैयारी कर रहा हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले ये चर्चा जोरों पर है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का ऑनर बदल सकता है। इन खबरों के बीच सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ और मशहूर उद्योगपति अदार पूनावाला ने आरसीबी को खरीदने में दिलचस्पी सार्वजनिक रूप से दिखाई है। अदार पूनावाला ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आने वाले कुछ महीनों में आरसीबी के लिए एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी बोली लगाने की तैयारी कर रहा हूं। यह आईपीएल की सबसे बेहतरीन टीमों में से एक है।' आईपीएल 2025 में टीम के चैंपियन बनने और सेलिब्रेशन के दौरान हुए हादसे के बाद फ्रेंचाइजी के बिकने की चर्चाएं होती रही हैं। पूर्व में भी कई बार फ्रेंचाइजी के बिकने की खबर आई है जो

अब तक गलत साबित हुई है, लेकिन आरसीबी के चैंपियन बनने, टीम की फैन फॉलोइंग और हाल में हुए विवादों के बाद मालिकाना हक बदलने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। जानकारी के मुताबिक पूनावाला के अलावा, विजय किरागंदूर की कंपनी होम्बले फिल्म्स भी आरसीबी को खरीदने की दौड़ में शामिल मानी जा रही है। होम्बले फिल्म्स 'केजीएफ' और 'कांतारा' जैसी सुपरहिट फिल्मों की निर्माता है। आरसीबी आईपीएल की मौजूदा चैंपियन है। लगातार 17 साल निराशा झेलने के बाद आरसीबी ने 18वें सीजन (आईपीएल 2025) में पहली बार खिताब जीता।

बीबीएल

डेविड वार्नर ने सिडनी थंडर के साथ एक साल का करार बढ़ाया

सिडनी, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर लीग क्रिकेट में फिलहाल अपना जलवा बरकरार रखना चाहते हैं। मौजूदा बीबीएल में सिडनी थंडर के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले वॉर्नर ने अगले सीजन के लिए भी टीम के साथ करार कर लिया है। सिडनी थंडर ने इसकी जानकारी शुक्रवार को दी। सिडनी थंडर के साथ एक साल का करार बढ़ने पर 39 साल के वार्नर ने कहा, 'मैं थंडर के साथ एक और सीजन खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक मुश्किल साल था। हम इस सीजन में मैदान पर उतरी टीम से कहीं बेहतर टीम हैं और लगातार अच्छा खेल नहीं दिखा पाए। हमारे फैंस का समर्थन, हर गेम में बड़ी संख्या में आना, इसने मेरे रुकने के फैसले में बहुत बड़ी भूमिका निभाई।' वार्नर ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे पास इस टीम और इस गेम को देने के लिए बहुत कुछ है। मैं अपने परफॉर्मेंस से काफी सहज महसूस कर रहा था और टीम को लड़ने का मौका देने पर गर्व महसूस कर रहा था। हमने पहले ही सीजन का रिव्यू करना शुरू कर दिया है और बीबीएल 16 में एक और मजबूत कैंपेन देने के लिए सही प्लान बना रहे हैं।' थंडर के जनरल मैनेजर ट्रेंट कोपलैंड ने कहा कि वार्नर के साथ एक साल का साथ बढ़ाना कोई बड़ी बात नहीं थी। हम बहुत खुश हैं कि डेवी एक और सीजन के लिए टीम में बने हुए हैं। उनका साल शानदार रहा है। वह न सिर्फ पिछले 15 सालों में दुनिया के सबसे महान टी20 खिलाड़ियों में से एक हैं, बल्कि बीबीएल के सबसे अच्छे बल्लेबाजों में से एक हैं। उनका फिटनेस लेवल भी बहुत अच्छा है। एक लीडर के तौर पर टीम के लिए निराशाजनक सीजन को बेहतर बनाने की उनकी भूख और उनका जोश पहले की तरह ही मजबूत है। बिग बैश लीग के 15वें सीजन में वॉर्नर की कप्तानी वाली सिडनी थंडर का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। टीम 10 मैचों में 2 जीत और 8 हार के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे (आठवें स्थान पर) रही। बतौर बल्लेबाज वॉर्नर का प्रदर्शन शानदार रहा। बाएं हाथ के बल्लेबाज वॉर्नर मौजूदा सीजन के शीर्ष स्कोरर हैं। 8 मैचों की 8 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए 2 शतक और 2 अर्धशतक की मदद से उन्होंने 433 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 130 रहा। इस दौरान उनका औसत 86 और स्ट्राइक रेट 154.09 रहा। दूसरे स्थान पर 430 रन के साथ मौजूद फिन एलेन फाइनल मुकाबले में उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं।

रणजी ट्रॉफी 2026

चयनकर्ताओं को सरफराज ने फिर दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सरफराज खान ने चयनकर्ताओं को फिर दिया जवाब, हैदराबाद के खिलाफ जड़ दिया दोहरा शतक - रणजी ट्रॉफी 2026 के ग्रुप डी के मुकाबले में मुंबई की ओर से खेल रहे

सरफराज खान ने हैदराबाद के खिलाफ दोहरा शतक जड़ दिया है। सरफराज ने 206 गेंद में 19 चौके और 6 छक्कों की मदद से यह डबल सेंचुरी पूरी की। सरफराज का यह 5वां फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दोहरा शतक है। सरफराज इसके अलावा एक तिहरा शतक भी लगा चुके हैं। सरफराज ने इस दोहरे शतक के जरिए एकबार फिर चयनकर्ताओं को बल्ले से जवाब दिया है।

- **सरफराज ने पहले ही दिन जड़ दिया था शतक-** सरफराज खान के दोहरे शतक की बदौलत मुंबई की टीम पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 450 से पार जा चुकी है। सरफराज ने मैच के पहले ही दिन अपना शतक पूरा कर लिया था। सरफराज के अलावा सिद्धेश लाड ने भी शतक जड़ा था। सिद्धेश 104 रन बनाकर आउट हो गए थे। खबर लिखे जाने तक सरफराज के साथ सुवेद परकार 65 रन की नाबाद पारी के साथ क्रीज पर हैं।
- **मुंबई का टॉप ऑर्डर जल्दी हो गया था आउट-** इस मैच में हैदराबाद के कप्तान मोहम्मद सिराज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। मुंबई के लिए पहले दिन पारी की शुरुआत करने अखिल हरवाडकर और आकाश आनंद आए। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हुई ही थी कि अखिल 27 रन के स्कोर पर आउट हो गए।
- **सरफराज और सिद्धेश की साझेदारी से संभली मुंबई-** मुंबई का तीसरा विकेट 82 रन के स्कोर पर गिरा था जब मुशीर खान 11 रन पर चलते बने। तीन विकेट गिर जाने के बाद मुंबई दवाब में थी, लेकिन इसके बाद सिद्धेश और सरफराज ने मिलकर पारी को संभाल लिया।

गुजरात जायंट्स की तेज गेंदबाज तितास साधु टूर्नामेंट से बाहर

इस ऑलराउंडर की हुई एंट्री

वडोदरा, एजेंसी। गुजरात जायंट्स को डब्ल्यूपीएल 2026 के बीच में एक झटका लगा है। टीम की युवा तेज गेंदबाज तितास साधु चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह भरने के लिए गुजरात ने असम की ऑलराउंडर जिंतिमणी कलिता को अपने खेमे में शामिल किया है। साधु पिछले दो सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थीं और 7 मैच खेल चुकी थीं। उन्हें नवंबर की मेगा नीलामी में गुजरात ने 30 लाख रुपए की बोली लगाकर अपनी टीम से जोड़ा था। हालांकि फिटनेस की समस्याओं के चलते वे 2026 के सीजन में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाईं। तितास के लिए पिछला साल भी चोटों से भरा रहा, जिसके कारण उन्हें कई अहम मौकों पर मैदान से दूर रहना पड़ा। पिछले साल जनवरी में आयरलैंड के विरुद्ध घरेलू वनडे सीरीज और फिर डब्ल्यूपीएल के तीन मैचों के बाद से उनकी फिटनेस उनका साथ छोड़ती रही।

पाकिस्तान ने चली चाल

जिम्बाब्वे को पहुंचाया फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर चालबाजी करने में पाकिस्तान की सीनियर टीम ही नहीं बल्कि जूनियर टीम भी काफी माहिर है। गुरुवार को अंडर 19 विश्व कप के एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान की अंडर 19 टीम ने कुछ ऐसा ही किया। दरअसल, विश्व कप के 19वें मैच में पाकिस्तान ने मेजबान जिम्बाब्वे 8 विकेट से हरा तो दिया, लेकिन इस मैच में पाकिस्तान ने ऐसी चाल चली कि उसने जिम्बाब्वे को फायदा पहुंचाया और स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस मैच में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को 129 रन का लक्ष्य दिया था। मेजबानों ने 35.5 ओवर में 128 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम ने इस लक्ष्य को 26.2 ओवर में हासिल किया। एक समय पर पाकिस्तान की टीम 14 ओवर में 2 विकेट खोकर 84 रन बना चुकी थी, लेकिन उसके बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी जानबूझकर धीरे खेले और 12.2 ओवर में 45 रन बनाए। यहीं पर पाकिस्तान की चाल सामने आ गई।

इस चाल से पाकिस्तान को भी होगा फायदा

नियमों के मुताबिक, टीमें ग्रुप स्टेज से सुपर सिक्स राउंड में पॉइंट्स और नेट रन रेट से आगे बढ़ाती हैं, लेकिन सिर्फ उन्हीं मैचों में जिनमें ग्रुप से अगले राउंड के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमें शामिल होती हैं। ज़िम्बाब्वे को सुपर सिक्स के लिए क्वालिफ़ाई करने में मदद करके पाकिस्तान ने अपना नेट रन रेट बढ़ाया जिसका फायदा पाकिस्तान को सुपर 6 में होगा। पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 142 गेंदें बाकी रहते हरा दिया, यह जीत का अंतर स्कॉटलैंड पर उसकी जीत से काफ़ी ज्यादा था। जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान को 41 गेंद रहते जीत मिली थी।

रिपोर्ट के अनुसार T20 विश्व कप 2026 से बाहर रहने के

सरकार के फैसले से बांग्लादेशी खिलाड़ियों में असंतोष

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 से बांग्लादेश बाहर हो गया है। बांग्लादेश की सरकार ने सुरक्षा का हवाला देते हुए विश्व कप के मैचों के लिए अपनी टीम को भारत न भेजने का फैसला गुरुवार को किया। आईसीसी अपने आधिकारिक प्रेस रिलीज में कभी भी बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड के नाम का ऐलान प्रतिभागी देश के रूप में कर सकता है। बांग्लादेश के क्रिकेटरों के बीच अपनी सरकार के फैसले को लेकर निराशा है। बांग्लादेश के क्रिकेटरों का कहना है कि सरकार ने विश्व कप न खेलने का फैसला लेने से पहले उनसे सलाह लेना उचित नहीं समझा। सरकार के निर्णय ने बांग्लादेशी खिलाड़ियों में असंतोष उत्पन्न कर दिया है। एक रिपोर्ट के

मुताबिक, खिलाड़ियों की नाराजगी फैसले से ज्यादा उसे लेने के तरीके को लेकर है। संवाद की जगह ऊपर से आदेश वाली संस्कृति अपनाई गई। खिलाड़ियों को लगा कि वे चर्चा का हिस्सा नहीं, बल्कि पहले से तय पटकथा के श्रोता बनकर रह गए हैं। दरअसल, विश्व कप से बाहर होने का फैसला लेने से पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों की एक बैठक बुलाई थी। एक क्रिकेटर ने अपना नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'मीटिंग हमारी सहमति के लिए नहीं बुलाई गई थी। हमें सिर्फ यह बताने के लिए बुलाया गया कि क्या होने वाला है। फैसले पहले ही लिए जा चुके थे और हमारी बातों का उस पर कोई असर नहीं पड़ा। पहले खिलाड़ियों से खुलकर राय ली जाती थी, लेकिन इस बार साफ कह दिया गया कि भारत में विश्व कप खेलने का सवाल ही नहीं है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या ETrU-T-11-2025-26

वरि. मंडल विद्युत्त अभियंता / क.वि. / उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदाये आमंत्रित करते हैं। इन निविदाओं को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को 15:00 बजे तक **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किया जा सकता। इनको 15:00 बजे के उपरांत तत्काल खोला जायेगा।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	लगभग लागत	धरोहर राशि	टेण्डर फॉर्म की कीमत
1	ETrU-T-11-2025-26	अंबाला मंडल के एसआरई-यूएमबी-डीएचपीआर, यूएमबी-एलडीएच और जेएचएल-एचएसआर-एलडीएच सेक्शन पर उच्च एमएमडी परिवहन उत्पाद / डबल स्टेक ड्वार्फ कंटेनर्स (डीएसडीसी) की आवाजाही के लिए उल्लंघनों को हटाने के लिए सी / डब्ल्यू में ओएचई संशोधन हेतु कार्य।	₹ 2,13,35,160.36/-	₹ 2,56,700/-	Downloading throught IREPS portal- NIL,(रूपये) 10,000/- Sr.DEE/TRD/ UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए

निविदा बंद/खुलने की तिथि 16.02.2026 | कार्य पूरा करने की अवधि 06 महीने | वैधता अवधि 60 दिन

1. निविदाकार को सभी जरूरी योग्यता दस्तावेज एवं PAN / GSTIN की Scanned Copies IREPS पोर्टल पर अपलोड करनी है। 2. निविदाकार के पास ई-निविदा में भाग लेने के लिए क्लास III Digital Signature Certificate होनी चाहिए। 3. कार्य में GST,BOCWW, Income Tax एवं नियमानुसार आवश्यक टैक्स लागू होंगे। 4. कार्य में सिमिलर नेचर कंडीशन लागु हैं एवं इस प्रकार हैः "Design, supply, erection, testing & commissioning of 50Hz, single phase 25 KV AC OHE" 5. टेंडर डॉक्यूमेंट एवं निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाये।

सं. ETrU-T-11-2025-26 दिनांक: 23.01.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 251/26

न्यूज डायरी

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया बसंत पंचमी पर्व

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान पंचकूला में बसंती पंचमी पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। संस्थान के उप चिकित्सा अधीक्षक (डीएमएस) डॉ. गौरव गर्ग और प्रोफेसर प्रह्लाद रघु ने मंत्रोच्चारण के बीच विद्या, बुद्धि और कला की देवी मां सरस्वती का दीप प्रज्वलित करके विधिवत पूजन किया। वहीं, विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदन का गुणगान किया। संस्थान के चिकित्सकों, कर्मियों और विद्यार्थियों ने मां सरस्वती को पुष्प अर्पित कर ज्ञान और समृद्धि की कामना की।

डीएमएस डॉ. गौरव गर्ग ने कहा कि बसंत पंचमी भारतीय संस्कृति में ज्ञान, सृजनशीलता और नवचेतना का प्रतीक पर्व है, जो शिक्षा, सृजनशीलता और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। इसके साथ ही, यह पर्व सकारात्मक सोच, मधुर व्यवहार और रचनात्मक जीवन शैली अपनाने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी ऋतु परिवर्तन का संदेश देती है। शीत ऋतु के बाद बसंत ऋतु का आगमन जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करता है। बसंत ऋतु शरीर के दोष संतुलन, विशेषकर कफ दोष के प्रकोप से जुड़ी मानी जाती है। उन्होंने ज्ञान, सेवा और अनुसंधान के क्षेत्र में आयुर्वेद को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

प्रोफेसर प्रह्लाद रघु ने कहा कि बसंत पंचमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति, प्रकृति और जीवन के संतुलन का उत्सव है। मां सरस्वती की आराधना के साथ मनाया जाने वाला यह पर्व हमें अपने जीवन में ज्ञान, सद्बुद्धि और नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश देता है।

राजकीय महाविद्यालय, कालका में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। राजकीय महाविद्यालय, कालका की प्राचार्या डॉ. गीता सुखीजा के कुशल नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में पूर्ण उत्साह के साथ किया गया। यह शिविर "यूथ फॉर माय भारत एंड डिजिटल लिटरेसी" थीम के अंतर्गत 19 जनवरी से जनवरी 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्राचार्या डॉ. गीता सुखीजा ने दीप प्रज्वलित करके किया। उनके साथ एसोसिएट प्रोफेसर सुनीता चौहान, डॉ. नीरू शर्मा, डॉ. गीता कुमारी एवं सहायक प्राध्यापक सविता रही। इसके पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा सरस्वती वंदना एवं एनएसएस गीत प्रस्तुत किया गया। प्राचार्या डॉ. गीता सुखीजा ने एनएसएस के उद्देश्य, "मैं नहीं, आप" के संदेश तथा समाज निर्माण में स्वयंसेवकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम प्रभारी सविता ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा डॉ. आशीष कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। विशेष व्याख्यान में सीनियर एग्जीक्यूटिव ट्रेनर श्री इंदरपाल ने "एक बेहतर राष्ट्र का निर्माणः स्वयंसेवक और एनएसएस की शक्ति" विषय पर संबोधन किया, जबकि शिफास फाउंडेशन, चंडीगढ़ की निदेशक सुश्री जसकीरत कौर ने "डेटा कलेक्शन एवं फील्ड वर्क" पर जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। द्वितीय दिवस विद्यार्थियों को योग एवं ज्ञान करवाया गया, मानसिक स्वास्थ्य विषय पर ज्योति शर्मा लाइफ कोच, चंडीगढ़ द्वारा एक प्रेरक व्याख्यान दिया गया। इस सत्र में स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। अपने विचार सांझा किये तथा मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित प्रश्न पूछे, गोद लिए गए पार्क के सौंदर्यीकरण हेतु स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर उसे स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, 'स्वदेशी का महत्व' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

एमसीएम में बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के संगीत विभाग ने बसंत पंचमी के पर्व के उपलक्ष्य में भजन गायन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम उल्लास और सांस्कृतिक सौहार्द से परिपूर्ण रहा। यह आयोजन विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ाने तथा सृजनात्मकता एवं आत्मबोध के वातावरण को बढ़ावा देने की संस्था की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए पर्व के गहन महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बसंत पंचमी को अज्ञानता और निराशा के अंधकार के निवारण का प्रतीक बताते हुए सभी से समाज में आनंद, सकारात्मकता और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार हेतु सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने सुभाष पार्क में नेताजी की प्रतिमा को सैन्य अंदाज में किया नमन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने नेता जी सुभाषचंद्र बोस जी के जन्मदिन (पराक्रम दिवस) के अवसर पर अम्बाला छावनी के सुभाष पार्क में तेज हवाओं व बारिश में नेता सुभाष चंद्र बोस जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने नेता जी की 12 फुट ऊंची प्रतिमा के समक्ष सैन्य अंदाज में 'सैल्यूट' कर 'नेता जी अमर रहे' के नारे लगाए। श्री अनिल विज ने कहा कि आज नेता सुभाष चंद्र बोस जी का जन्मदिन है और उनके नाम से हमने अम्बाला छावनी में सुभाष पार्क बनवाया है। उन्होंने कहा कि आज हम हर वर्ष की तरह, जब से यह पार्क बना है, जब से यहां नेता जी विराजमान है हम हर वर्ष यहां अपने श्रद्धा सुमन प्रस्तुत करने के लिए आते हैं।

पवित्र सरस्वती नदी हरियाणा ही नहीं पूरे भारत वर्ष को बांधती है सांस्कृतिक एकता के पवित्र बंधन में - नायब सिंह सैनी

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 63 करोड़ 86 लाख रुपये की 26 परियोजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास
- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरस्वती महोत्सव 2026 के समापन समारोह में की शिरकत

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पवित्र सरस्वती नदी हरियाणा के साथ-साथ पूरे भारत वर्ष को सांस्कृतिक एकता के पवित्र बंधन में बांधती है, इसलिए प्रदेश सरकार नदियों को जोड़कर व सरस्वती सरोवरों और जलाशयों का निर्माण करके सरस्वती को फिर से प्रवाहित करने का काम कर रही है। इतना ही नहीं सरकार सरस्वती से जुड़े प्रमुख तीर्थों को सरस्वती तीर्थ के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को जिला कुरुक्षेत्र में पिहोवा सरस्वती तीर्थ पर हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड की तरफ से बसंत पंचमी के पावन पर्व पर आयोजित सरस्वती महोत्सव 2026 के समापन समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड की सरस्वती नदी के पुनरुद्धार के लिए 63 करोड़ 86 लाख रुपए की लागत से 26 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 27 करोड़ 59 लाख रुपए की लागत से 16 परियोजनाओं का उदघाटन और 36 करोड़ 27 लाख रुपए की लागत से 10 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री ने सरस्वती तीर्थ को विकसित करने के लिए एक मास्टर प्लान का भी शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने माँ सरस्वती मंदिर में पूजा अर्चना करने के उपरांत कार्यक्रम स्थल पर माँ सरस्वती, नेता जी सुभाष चंद्र बोस व दीन बंधू सर छोटू राम की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को बसंत पंचमी, नेताजी सुभाष चंद्र जी के पराक्रम दिवस व दीन बंधू सर छोटू राम की जयंती पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह एक सौभाग्य है कि आज के दिन 23 जनवरी को कुरुक्षेत्र जिला भी करनाल से अलग होकर अपने अलग स्वरूप में आया। इस जिले का निर्माण 23 जनवरी 1973 को हुआ। इस जिले को 3 गुणा तेज गति के साथ विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सरस्वती महोत्सव प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के पुनः जागरण का पर्व है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र गौरव अभियान को आगे बढ़ाने की पहल है। सरस्वती नदी की महत्ता को देखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए सरस्वती को नर्मदा और साबरमती के जल के साथ जोड़कर पुर्न जीवित करने के प्रयास किए थे। इसी प्रकार हरियाणा में भी सरकार नदियों को जोड़कर व सरस्वती सरोवरों और जलाशयों का निर्माण करके सरस्वती को फिर से प्रवाहित करने का काम कर रहे है।

सरकार का संकल्प- सरस्वती नदी की ऐतिहासिक पहचान फिर होगी स्थापित

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि सरस्वती नदी का पुनः उद्धार करके ऐतिहासिक पहचान को पुनः स्थापित करना है ताकि आने वाली पीढ़ियां गर्व से कह सके कि वे उस भूमि के निवासी है जहां मानव सभ्यता ने पहले कदम बढ़ाए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इसरो, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, ओएनजीसी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र और केन्द्रीय भूजल बोर्ड जैसे 75 से अधिक प्रतिष्ठित अनुसंधान संगठनों के साथ मिलकर काम कर रही है। इन संस्थाओं के वैज्ञानिक अध्ययनों ने यह साबित कर दिया कि सरस्वती कोई काल्पनिक नदी नहीं है अपितु आदि बद्री से गुजरात के कच्छ के रण तक प्राचीन नदी के चैनल आज भी मौजूद है। इसका भूजल 5 हजार से 14 हजार वर्ष पुराना है और इसका संबंध हिमाचल के ग्लेशियरों से है।

प्रमुख तीर्थों को किया जाएगा सरस्वती तीर्थ के रूप में विकसित

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि सरस्वती से जुड़े प्रमुख तीर्थों को सरस्वती तीर्थ के रूप में विकसित किया जाए। सरकार आदि बद्री से लेकर सिरसा तक के पूरे क्षेत्र को एक राष्ट्रीय पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित कर रही है। इसमें कुरुक्षेत्र, पिहोवा, कैथल, हिसार, राखीगढ़ी, फतेहाबाद और सिरसा जैसे ऐतिहासिक स्थल शामिल है। यह सर्किट इतिहास और संस्कृति के प्रेमियों को आकर्षित करेगा तथा युवाओं के लिए रोजगार और व्यापार के नए द्वार भी खोलेगा।

बसंत पंचमी का पावन पर्व माँ सरस्वती की वंदना का विशेष दिन - स्वामी ज्ञानानंद

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने प्रदेशवासियों को बसंत पंचमी के पावन पर्व के साथ-साथ नेता जी सुभाष चंद्र बोस और दीनबंधु सर छोटूराम की जयंती पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बसंत पंचमी का पावन पर्व माँ सरस्वती की वंदना का विशेष दिन है। इस पावन पर्व पर आमजन में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। एक ओर हम ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की पूजा कर रहे हैं, वहीं सरकार सरस्वती नदी के पुनः उद्धार के संकल्प को दोहरा रही है।

सरस्वती नदी पर 100 करोड़ रुपए के किए जा रहे है विकास कार्य - धुमन सिंह

हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से सरस्वती नदी पर विकास कार्यों पर लगभग 100 करोड़ रुपए का बजट खर्च किया जा रहा है। यह लगातार तीसरा बड़ा महोत्सव है। इस महोत्सव की शुरुआत वर्ष 2017 में की गई थी। उन्होंने कहा कि सरस्वती नदी के किनारों पर तीर्थों, तालाबों व घाटों का निर्माण किया जा रहा है।

पराक्रम दिवस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को किया नमन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पराक्रम दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी और आज़ाद हिंद फ़ौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सेक्टर–3, चंडीगढ़ स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अपने पराक्रम, नेतृत्व और त्याग से देशवासियों में आजादी की अलख जगाई। आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं, यह उन्हीं जैसे महान क्रांतिकारियों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने नेताजी के अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि देश की आजादी में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी द्वारा दिखाए गए राष्ट्रसेवा, आत्मनिर्भरता और दृढ़ संकल्प के मार्ग पर चलते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की मजबूत नींव रखी जा रही है। देश आज आत्मनिर्भरता, तकनीकी प्रगति और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं और भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प को साकार करें।

पंचकूला गौशाला ट्रस्ट ने धूमधाम से मनाया बसंत उत्सव, कवि सम्मेलन रहा आकर्षण

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला गौशाला ट्रस्ट की ओर से बसंत पंचमी के पावन अवसर पर बसंत उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक उत्सव में बच्चों, परिवारों और शहर के गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के प्रधान कुलभूषण गोयल ने की।

प्रधान कुलभूषण गोयल ने बताया कि उत्सव के दौरान हास्य कवि सम्मेलन, मुशायरा, पतंग उड़ाने का आयोजन तथा बच्चों के लिए आकर्षक परिधानों की प्रतियोगिता आयोजित की गई, जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे। शायरों और कवियों ने देशभक्ति व व्यंग्य से भरपूर रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरीं। बच्चों और परिवारों के लिए यह उत्सव मनोरंजन और सांस्कृतिक गतिविधियों से भरपूर रहा। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर पंचकूला गौशाला ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह बसंत उत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता का सुंदर उदाहरण है। बच्चों, परिवारों और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को और भी यादगार बना दिया। हास्य कवि सम्मेलन, मुशायरा, पतंगबाजी और बच्चों की प्रतियोगिताओं के माध्यम से मनोरंजन के साथ-साथ संस्कारों को भी बढ़ावा मिला। हमारा उद्देश्य ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज को जोड़ना, भारतीय संस्कृति को सहेजना और बच्चों में रचनात्मकता व संस्कारों का विकास करना है। सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, सदस्यों और नागरिकों का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।" प्रतियोगिताओं के उपरांत बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए तथा सभी बच्चों को पतंगें भी भेंट की गईं। आयोजकों की ओर से सभी के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा, पंचकूला भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, जिला महामंत्री जय कौशिक, समाजसेवी कुसुम कुमार गुप्ता, डॉक्टर नरेश मित्तल, पूर्व पार्षद सुनीत सिंगल, सुशील गर्ग, राजकुमार जैन, सुरेश वर्मा, ओमवती पूनिया, सुखबीर पूनिया, जसवीर गोयत, अशोक कुमार, मुकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के चेयरमैन संजीव गोयल, सतपाल सिंगला, अजय गर्ग, वेद प्रकाश गर्ग, दीपक बंसल, केवल गर्ग (उप प्रधान), ई. हरिशंकर गोयल, प्रेम चंद्र गुप्ता, अजय अग्रवाल, भूपिंदर गोयल (वित्त सचिव), मदन मोहन, सुरेंद्र बंसल, तेजपाल गुप्ता, विकास भौजिया, डॉ. नरेश मित्तल (महासचिव), हरीश गोयल, शीशपाल सिंगला एवं अशोक कुमार गर्ग विशेष रूप से मौजूद रहे। अंत में प्रधान कुलभूषण गोयल ने सभी अतिथियों, ट्रस्ट सदस्यों एवं नागरिकों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूती मिलती है।

VB-G RAM G केवल योजना नहीं, ग्रामीण भारत के भविष्य का रोडमैप है - रेखा शर्मा

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में लागू किए गए विकसित भारत–रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) – VB-G RAM G अधिनियम, 2025 को लेकर आज पंचकूला जिले के विभिन्न ग्रामों—बरवाला, भरेली, बटवाल एवं रिहोड़—में आयोजित ग्राम चौपाल कार्यक्रमों में राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता की और ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया।

चौपाल कार्यक्रमों के दौरान रेखा शर्मा ने VB-G RAM G अधिनियम के उद्देश्यों, प्रावधानों एवं दूरगामी प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि यह कानून ग्रामीण भारत को रोजगार, आजीविका और आत्मनिर्भरता की मजबूत गारंटी प्रदान करता है।

इस अवसर पर रेखा शर्मा जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू किया गया VB-G RAM G अधिनियम ग्रामीण भारत के लिए एक ऐतिहासिक परिवर्तनकारी कदम है। यह केवल रोजगार उपलब्ध कराने की योजना नहीं, बल्कि गांवों को आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध बनाने का ठोस रोडमैप है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के तहत ग्रामीण नागरिकों को 125 दिनों की रोजगार गारंटी, स्थायी आजीविका के अवसर तथा पारदर्शी एवं शोषण-मुक्त कार्यप्रणाली सुनिश्चित की गई है।

इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष तेजिंदर गुप्ता, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी संजय आहूजा, कोषाध्यक्ष सुशील सिंगला, भरेली से पूर्व सरपंच गुरचरण जी, रिहोड़ से सरपंच गुरप्रीत जी, बटवाल से सरपंच विधि चंद सहित स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

पुलिस कांस्टेबल भर्ती में 3 वर्ष की आयु छूट, अभ्यर्थी 31 जनवरी, 2026 तक कर सकेंगे आवेदन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष श्री हिम्मत सिंह ने बताया कि सीईटी–2025 के अंतर्गत विज्ञापित पुलिस कांस्टेबल भर्ती में सभी अभ्यर्थियों को 03 वर्ष की आयु छूट प्रदान की गई है। अभ्यर्थी हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट https://adv012026.hryssc.com/ के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिसके लिए आवेदन पोर्टल सक्रिय कर दिया गया है। साथ ही, ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 जनवरी, 2026 से बढ़ाकर 31 जनवरी, 2026 (रात्रि 11:59 बजे तक) कर दी गई है।

श्री हिम्मत सिंह ने कहा कि यह निर्णय उन अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है, जो वर्ष 2022 के बाद सीईटी परीक्षा आयोजित न हो पाने के कारण आयु सीमा से बाहर हो रहे थे। वर्ष 2025 में पुनः सीईटी परीक्षा आयोजित होने के उपरांत पात्र अभ्यर्थियों को समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए यह आयु छूट दी गई है।

उन्होंने कहा कि इस निर्णय से अधिक संख्या में योग्य युवा भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकेंगे। आयोग भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या 01/2026 के अंतर्गत सीईटी फेज–II में हरियाणा पुलिस कांस्टेबल पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इसके तहत पुरुष कांस्टेबल, महिला कांस्टेबल एवं हरियाणा रेलवे पुलिस के पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस भर्ती के अंतर्गत कुल 5500 पद निर्धारित किए गए हैं, जिनमें 4500 पद पुरुष कांस्टेबल, 600 पद महिला कांस्टेबल तथा 400 पद हरियाणा रेलवे पुलिस के लिए हैं।

प्रदेश में बनेंगे स्मार्ट एग्रीकल्चर तथा स्मार्ट इंडस्ट्रियल जोन - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने किसानों एवं उद्योगपतियों के हित में दो बड़ी घोषणाएं करते हुए कहा कि राज्य में एक स्मार्ट एग्रीकल्चर जोन तथा एक स्मार्ट इंडस्ट्रियल जोन बनाया जाएगा, जहां किसानों एवं उद्योगपतियों को विशेष सुविधाएं दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की गत वर्ष के बजट में की गई घोषणाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने आईएमटी मानेसर, बावल तथा कुंडली में फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूरों के लिए डॉर्मिट्रीज़ तथा सिंगल रूम यूनिट्स के कार्य की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिस भी औद्योगिक क्षेत्र में वहां कार्यरत मजदूरों के लिए आवासीय जरुरत हो, वहां संबंधित इंडस्ट्रियल एसोसिएशन से विचार -विमर्श कर आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाने की योजना तैयार करें। इससे जहां मजदूरों को उद्योग के नजदीक सस्ती आवासीय सुविधा मिलेगी, वहीं उनके कार्य में भी गुणवत्ता आएगी।

बैठक में जानकारी दी गई कि 'गुड गवर्नेंस डे' के दिन गत 25 दिसंबर, 2025 को कम से कम 50 फैक्ट्रियों वाली जिन अवैध कॉलोनियों को रेगुलर करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के जिस पोर्टल को लांच किया गया था, उसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। उद्योगपति अपनी यूनिट को उक्त पोर्टल पर रजिस्टर कर रहे हैं। इन कॉलोनियों के नियमित होने पर उद्योगपतियों को जहां विभिन्न योजनाओं का समय पर लाभ मिल सकेगा, वहीं अलग -अलग विभागों की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए दफ़्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री द्वारा पिछले वर्ष के बजट में की गई घोषणा को मूर्त रूप देते हुए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा अलॉट (राज्य के विभिन्न इंडस्ट्रियल एस्टेट्स में) किये गए प्लॉट्स के मालिकों की लंबित समस्या का निराकरण कर दिया गया है। इन प्लॉट्स का पूरा कण्ट्रोल अब एचएसआईआईडीसी को दे दिया गया है। इसमें इंडस्ट्रियल प्लॉट को एचएसवीपी से एचएसआईआईडीसी को ट्रांसफर करने के मामले में 'ऑक्युपेशन सर्टिफिकेट', 'प्रोजेक्ट कम्प्लीशन सर्टिफिकेट' आदि को प्राप्त करने में इन उद्योगों के मालिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। राज्य सरकार के फैसले से प्रदेश के उद्योगपतियों को बहुत बड़ी राहत मिली है।

मुख्यमंत्री को यह भी जानकारी दी गई कि पिछले बजट में वित्त मंत्री के नाते ईएसआईसी अस्पताल/ डिस्पेंसरी खोलने के लिए प्लॉट देने के मामले में रियायत देने की घोषणा को पूरा कर दिया गया है। अब भविष्य में एचएसवीपी, एचएसआईआईडीसी, पंचायत तथा दूसरे सरकारी विभागों से ईएसआईसी अस्पताल/ डिस्पेंसरी खोलने के लिए जो जमीन ली जाएगी, वह 75 फीसदी सस्ती दरों पर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री को बताया गया कि 'हरियाणा आत्मनिर्भर टेक्सटाइल पॉलिसी 2022 -25' की अवधि एक वर्ष तक यानि दिसंबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कई वर्ष पहले बनाए गए औद्योगिक क्षेत्रों, जोकि शहरी आबादी के बीच में आ गए हैं, उनमें सीवर, सड़क, पेयजल, स्ट्रीट लाइट जैसे ढांचों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सभी इंडस्ट्रियल एस्टेट्स में स्टार्टअप्स को रियायती दरों पर काम करवाने की सुविधा देने के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि आईएमटी मानेसर में 'एआई तथा क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी' तथा आईएमटी खरखौदा में 'इलेक्ट्रिक व्हीकल तथा ऑटोमोटिव सेक्टर' के प्रस्तावित इन्क्यूबेशन सेंटर हेतु जमीन चिह्नित कर ली गई है। दूसरे स्थानों पर भी इन्क्यूबेशन सेंटर बनाने के लिए प्रक्रिया जारी है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने 10 नए आईएमटी बनाने, 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट कार्यक्रम', आईएमटी मानेसर में पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर जीरो वाटर वेस्टेज इंडस्टियल एरिया' को विकसित करने, आईएमटी खरखौदा का विस्तार करने, अम्बाला में आईएमटी स्थापित करने के प्रथम चरण, महेंद्रगढ़ जिला में आईएमटी स्थापित करने, मेक इन इंडिया की तर्ज पर 'मेक इन हरियाणा' कार्यक्रम बनाने, गुरुग्राम में कल्चरल सेंटर का निर्माण करने जैसी बजट की घोषणाओं की समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने संकल्प - पत्र की घोषणाओं की भी विस्तार से समीक्षा की और सभी घोषणाओं को जल्द से जल्द अमलीजामा पहनाने के निर्देश दिए।